■ कार्तिक कृष्ण - 8 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 91 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 24-10-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 'हमारा फोकस प्रयोग पर था पर प्रदर्शन बेहतर हो सकता था'

6 संतान की दीर्घायु की कामना का पर्व है अहोई अष्टमी

7 मेरे परिवार को लड़का होने की उम्मीद थी, लेकिन मेरे जन्म का जश्न मनाया गया : निकिता पोरवाल

ब्रिक्स नेताओं ने आतंकवाद को 'साझा खतरा' बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कजान/भाषा। आतंकवाद को एक ''साझा खतरा'' बताते हुए ब्रिक्स नेताओं ने आतंकवादी विचारधारा के प्रसार, आतंकी उद्देश्यों के लिए आधुनिक प्रौद्योगिकियों के दुरुपयोग, एक देश से दूसरे में आतंकवादियों की आवाजाही और आतंकवाद के वित्तपोषण को रोकने के लिए ''निर्णायक कदम'' उठाने का बुधवार को संकल्प लिया।

ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका से मिलकर बने ब्रिक्स को विस्तारित कर पांच और सदस्य देशों -- मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को शामिल किया गया है। रूस के कजान शहर में 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के बाद जारी संयुक्त घोषणापत्र में, नेताओं ने आतंकवाद के सभी स्वरूप की एक स्वर में फिर से निंदा की तथा इस बात पर जोर दिया कि इसे किसी भी धर्म, राष्ट्रीयता, सभ्यता या जातीय समूह के साथ नहीं जोड़ा जाना चाहिए।

शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग सहित अन्य नेता शामिल हुए।

ब्रिक्स देशों ने कहा कि उन्हें विकासशील देशों के लिए जलवायु वित्त पर आगामी वार्षिक जलवायु शिखर सम्मेलन में मजबूत परिणामों की उम्मीद है।

घोषणापत्र 'न्यायसंगत वैश्विक विकास और सुरक्षा के लिए बहुपक्षवाद को मजबूत करना' ने वैश्विक दक्षिण की आवाज को बढ़ाने और जी20 एजेंडे में उनकी प्राथमिकताओं को एकीकृत करने की प्रतिबद्धता भी जताई।

ब्रिक्स देश व्यापार बढ़ाने, स्थानीय मुद्रा में वित्तीय निपटान पर सहमत

कजान/भाषा। ब्रिक्स देशों ने बुधवार को व्यापार बढ़ाने और स्थानीय मुद्राओं में वित्तीय निपटान की व्यवस्था बनाने पर सहमति जतायी। साथ ही स्वतंत्र रूप से काम करने वाला सीमापार निपटान और डिपॉजिटरी बुनियादी ढांचे की व्यावहारिकता का अध्ययन करने और ब्रिक्स पुनर्बीमा कंपनी पर भी सहमति व्यक्त की। सदस्य देशों के नेताओं ने 21वीं सदी में नव विकास बैंक को एक नये प्रकार के बहुपक्षीय विकास बैंक (एमडीबी) के रूप में विकसित करने पर भी सहमति जतायी और ब्रिक्स के नेतृत्व वाले बैंक की सदस्यता को बढ़ाने का समर्थन किया। यहां 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के बाद जारी घोषणापत्र में कहा गया है कि सदस्य देश कामकाज के स्तर पर स्थिरता बनाये रखने और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए डिजिटल बुनियादी ढांचा क्षेत्र में संयुक्त गतिविधियों की संभावना तलाशेंगे।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

इस बार दीवाली

इस बार दिवाली पर सच में,
बाजारों में हलचल कम है।
मंहगाई धुम्र कसैला है,
जिससे जन की आँखें नम हैं।
बँगलों की आतिशबाजी से,
झोंपड़ियों की खुशियां भ्रम हैं।
लक्ष्मी जी के पदचापों की,
कानों में कोरी छम-छम हैं।।

मोदी, शी ने गश्त समझौते का समर्थन किया, संबंधों को दुरुस्त करने के संकेत

कजान/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गश्त और सैनिकों को पीछे हटाने पर भारत-चीन समझौते का बुधवार को समर्थन किया तथा विभिन्न द्विपक्षीय वार्ता तंत्र को बहाल करने के निर्देश जारी किए, जो 2020 की सैन्य झड़प से प्रभावित हुए संबंधों को सामान्य बनाने के प्रयासों का संकेत देते हैं।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर यहां आयोजित करीब 50 मिनट की बैठक में, मोदी ने मतभेदों और विवादों को उचित तरीके से निपटाने तथा सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति व स्थिरता को भंग करने की अनुमति नहीं देने के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि परस्पर विश्वास, एक-दूसरे का सम्मान और परस्पर संवेदनशीलता संबंधों का आधार बने रहना चाहिए। मोदी और शी ने करीब पांच वर्षों में अपनी पहली द्विपक्षीय बैठक में, सीमा मुद्दे पर रुकी पड़ी विशेष प्रतिनिधियों की वार्ता को शीघ्र बहाल करने का भी निर्देश दिया तथा कहा कि यह सीमा पर शांति एवं स्थिरता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

दिवाली समारोह के दौरान

जामिया मिल्लिया इस्लामिया में छात्र समूहों के बीच झड़प, पुलिस तैनात

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के जामिया मिल्लिया इस्लामिया में दिवाली समारोह के दौरान छात्रों के दो समूहों के बीच झड़प हुई जिसके बाद एहतियात के तौर पर परिसर के द्वार के बाहर पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटना मंगलवार रात को हुई लेकिन इस संबंध में कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है।

दिवाली कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय कला मंच (आरकेएम) ने किया था, जो राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ समर्थित अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) से जुड़ा है।

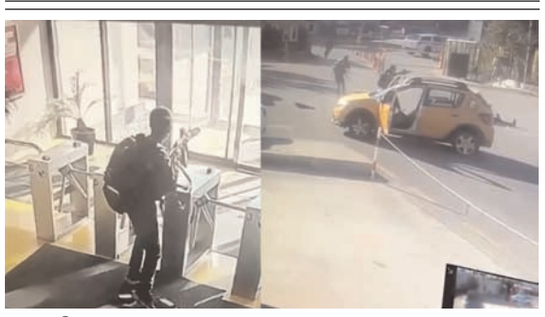

तुर्किये में रक्षा कंपनी पर हमले में चार व्यक्तियों की मौत, 14 घायल

अंकारा/एपी। तुर्किये के राष्ट्रपति रजब तैय्यब एर्दोआन ने कहा कि देश की सरकारी एयरोस्पेस और रक्षा कंपनी 'तूसास' के परिसर पर बुधवार को किये गए एक हमले में हमलावरों ने विस्फोट किये और गोलीबारी की जिसमें चार व्यक्तियों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। गृह मंत्री अली येर्लिकाया ने बताया कि कम से कम दो हमलावर मारे गए हैं।

रूस के कजान में ब्रिक्स बैठक के दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बैठक के दौरान एर्दोआन ने कहा, ''हमारे चार लोग शहीद हुए हैं और 14 घायल हो गए हैं। मैं इस जघन्य आतंकवादी हमले की निंदा करता हूं।'' पुतिन ने हमले पर उनसे संवेदना जताई।

कहरमकजां जिले के मेयर सेलिम सिरपानोग्लुम ने 'एसोसिएटेड प्रेस' को बताया कि राजधानी अंकारा के बाहरी इलाके में स्थित कंपनी पर हमले से उत्पन्न स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया है, लेकिन वे अधिक जानकारी नहीं दे सके। यह स्पष्ट नहीं है कि इस हमले के पीछे कौन हो सकता है। कुर्दिश आतंकवादियों, इस्लामिक स्टेट समूह और वाम चरमपंथियों ने अतीत में देश में हमले किए हैं।

मध्यप्रदेश: स्कूल बस में आग लगने के बाद चालक ने हादसा टाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिवपुरी (मप्र)/भाषा। मध्यप्रदेश के शिवपुरी में बुधवार दोपहर एक स्कूल बस के चालक ने एक संभावित आपदा से 12 छात्रों और कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाला। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह घटना यहां सर्कुलर रोड पर हुई, लेकिन सौभाग्य से कोई घायल नहीं हुआ।

उनके अनुसार बस चालक गोटू धाकड़ गीता पब्लिक स्कूल के छात्रों को लेकर जा रहा था, तभी उसने इंजन से धुआं निकलता देखा। आसन्न खतरे को भांपते हुए उसने तुरंत बच्चों और स्कूल कर्मचारियों को बस से बाहर निकलने में मदद की। धाकड़ ने बताया, ''जब आग लगी और फैलने लगी, तब बस में 12 बच्चे और कुछ शिक्षक सवार थे।'' पुलिस के मुताबिक आग की लपटों ने वाहन के एक बड़े हिस्से को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। अग्निशमन कर्मियों ने आग बुझाई।

यातायात पुलिस के एक अधिकारी के अनुसार, अधिकारियों ने बस की फिटनेस का आकलन करने और संबंधित दस्तावेजों की पुष्टि करने के लिए जांच शुरू कर दी है।

प्रियंका गांधी की चुनावी पारी का आगाज, वायनाड से किया नामांकन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वायनाड (केरल)/भाषा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने बुधवार को वायनाड लोकसभा सीट से पार्टी के उम्मीदवार के तौर पर नामांकन दाखिल करके अपनी चुनावी पारी का आगाज किया और इस मौके पर खुद को स्थानीय लोगों के परिवार का हिस्सा बताते हुए कहा कि वह उनके स्नेह को संजोकर आगे बढ़ेंगी तथा इस क्षेत्र की प्रगति के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगी।

उन्होंने राजनीतिक अनुभव की कमी के आरोपों को लेकर विरोधियों को जवाब भी दिया और कहा कि उनके पास राजनीति में 35 साल का अनुभव है क्योंकि वह 1989 में अपने पिता राजीव गांधी के साथ 17 साल की उम्र में पहली बार चुनाव प्रचार अभियान में शामिल हुई थीं। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता, पति रॉबर्ट वाद्रा, पुत्र रेहान राजीव वाद्रा, प्रियंका गांधी के राजनीतिक जीवन के इस बेहद महत्वपूर्ण पल के साक्षी बने।

नामांकन से पहले प्रियंका गांधी ने कलपेट्टा में एक विशाल सभा को संबोधित किया और फिर एक रोड शो भी किया। लोगों के हुजूम वाले इस रोडशो में राहुल गांधी और कुछ अन्य नेता, प्रियंका गांधी के साथ थे। राहुल गांधी ने वायनाड की जनता से प्रियंका गांधी का समर्थन करने की अपील की और कहा कि वायनाड से उनकी बहन के निर्वाचन के बाद यह देश का इकलौता ऐसा निर्वाचन क्षेत्र होगा जिसके संसद में एक नहीं, बल्कि दो सांसद होंगे। उत्तर प्रदेश के रायबरेली से लोकसभा सदस्य ने कहा कि वह वायनाड के अनौपचारिक रूप से सांसद बने रहेंगे। वायनाड लोकसभा उपचुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने से पहले कलपेट्टा में सभा को संबोधित करते हुए प्रियंका गांधी ने

कहा कि वह 1989 में अपने पिता राजीव गांधी के साथ चुनाव प्रचार में शामिल हुईं थीं, उसके बाद से 35 वर्षों में उन्होंने अपनी मां सोनिया गांधी, अपने भाई राहुल गांधी और पार्टी के अन्य सहयोगियों के लिए प्रचार किया है। उनका यह बयान भाजपा की वायनाड लोकसभा उपचुनाव की उम्मीदवार नव्या हरिदास के उस बयान के एक दिन बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि वह लोगों का प्रतिनिधित्व करने में प्रियंका की तुलना में अधिक अनुभवी हैं। नामांकन दाखिल करने के बाद प्रियंका गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''आज वायनाड उपचुनाव के लिए नामांकन दाखिल करना भावनाओं से भरा क्षण था। आपने राहुल जी को और अब मुझे जो प्यार दिखाया है, वह कुछ ऐसा है जिसे मैं हर कदम पर अपने साथ संजोकर रखूंगी।'' उन्होंने कहा, ''वायनाड की ताकत इसके लोगों में निहित है। उनमें दयालुता, विन्रमता और बेहतर भविष्य में विश्वास है। मैं आपकी आवाज सुनूंगी, उन मुद्दों को उठाऊंगी जो आपके लिए मायने रखते हैं और वायनाड की प्रगति के लिए अथक प्रयास करूंगी। प्रत्येक समर्थक, प्रत्येक यूडीएफ कार्यकर्ता और हमारे साथ खड़े रहने वाले प्रत्येक परिवार को दिल की गहराइयों से धन्यवाद।''

कांग्रेस महासचिव ने सभा के दौरान यह भी कहा कि वह वायनाड के लोगों का प्रतिनिधित्व करने के लिए उम्मीदवार बनाए जाने से स्वयं को सम्मानित महसूस कर रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जिले में हुए भूस्खलन के समय वायनाड के लोगों द्वारा दिखाए गए साहस से वह बहुत प्रभावित हुईं। प्रियंका गांधी ने भारतीय जनता पार्टी पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि जो लोग सत्ता में हैं उन्होंने सत्ता में बने रहने के लिए नफरत का इस्तेमाल किया और अलगाव पैदा किया। उन्होंने कहा, ''यह वह राजनीति नहीं है जिस पर हमारे देश की स्थापना हुई थी। महात्मा गांधी जी के नेतृत्व में हमारा स्वतंत्रता आंदोलन, हर धर्म के प्रति समानता और सम्मान से प्रेरित था।''

तेलंगाना: बीआरएस नेता रामा राव ने केंद्रीय मंत्री संजय कुमार को कानूनी नोटिस भेजा

हैदराबाद/भाषा। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने केंद्रीय मंत्री बी. संजय कुमार को उनके खिलाफ कथित तौर पर झूठी और अपमानजनक टिप्पणी करने के लिए कानूनी नोटिस भेजा। रामा राव ने कहा कि मंत्री ने उनपर मादक पदार्थों का सेवन करने और बीआरएस के सत्ता में रहने के दौरान 'फोन टैपिंग' में शामिल होने का आरोप लगाया था।

बीआरएस नेता ने बुधवार को जारी एक बयान में कहा कि 19 अक्टूबर को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री द्वारा की गई टिप्पणी निराधार है और इससे उनकी प्रतिष्ठा को धूमिल करने की मंशा साफ झलकती है। उन्होंने कहा कि अगर संजय एक सप्ताह के भीतर बिना शर्त माफी नहीं मांगते हैं तो वह कानूनी कार्रवाई करने के लिए बाध्य होंगे। केंद्रीय मंत्री ने हालांकि एक विज्ञप्ति में कहा कि राव ने सबसे पहले उनके खिलाफ व्यक्तिगत आरोप लगाए थे इसलिए वह भी बीआरएस नेता को नोटिस भेजेंगे।

जेपीसी की बैठक में हुए बवाल पर बोले अध्यक्ष जगदम्बिका पाल : यह 'अराजकता की पराकाष्ठा' है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। वक्फ संशोधन विधेयक पर मंगलवार को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की बैठक में हुए हंगामे को लेकर समिति के अध्यक्ष भाजपा सांसद जगदम्बिका पाल ने कहा कि यह घटना 'अराजकता की पराकाष्ठा' है और यह सिर्फ सांसद की सुरक्षा का नहीं बल्कि संसदीय परम्पराओं की हिफाजत का भी सवाल है।

पाल ने 'पीटीआईवीडियोज' से बातचीत में जेपीसी की बैठक में तृणमूल कांग्रेस सांसद कल्याण बनर्जी द्वारा कथित रूप से हंगामा किये जाने के बारे में कहा, ''यह केवल सांसद की सुरक्षा का सवाल नहीं है, यह सवाल है संसदीय प्रणाली, संसदीय परंपराओं की भविष्य की सुरक्षा का। कल की घटना संसदीय प्रणाली पर, उसके भविष्य पर एक कुठाराघात है और इसने उनपर एक गंभीर प्रश्न लगाया है।'' पाल ने घटना के पीछे साजिश की आशंका के बारे में पूछे जाने पर कहा, ''साजिश हो या न हो, लेकिन मुझे लगता है कि जिस तरह की हिंसात्मक घटना हुई, वह अराजकता की पराकाष्ठा है। यह कैसे मन में आ गया कि हम एक सांसद होकर बोतल तोड़कर अध्यक्ष पर फेंकें।'' उन्होंने कहा, ''प्रजातंत्र में सत्ता पक्ष और प्रतिपक्ष में रोज विचारों में सहमति असहमति हो सकती है। विपक्ष के आज तक के संसदीय इतिहास में कल पहली बार कांच की बोतल तोड़कर सीधे मेरी ओर फेंकी गयी। इससे उनको भी चोट लगी। सारे विपक्ष के सांसद मौजूद थे। वे हतप्रभ थे। अगर वह कहीं मेरे चेहरे पर आकर मेरी आंख पर आकर लगती तो शायद नेत्रदृष्टि चली जाती। वह तो ईश्वर की कृपा है कि मैं बाल-बाल बच गया। बोतल मंच के नीचे सामने गिरी।''

करतारपुर साहिब गलियारे पर समझौते का नवीनीकरण एक 'महत्वपूर्ण कदम' : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा ने बुधवार को कहा कि श्री करतारपुर साहिब गलियारे पर भारत और पाकिस्तान के बीच समझौते का नवीनीकरण सिख समुदाय की आध्यात्मिक आकांक्षाओं को पूरा करने की दिशा में 'महत्वपूर्ण कदम' है। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को घोषणा की कि भारत और पाकिस्तान ने अगले पांच वर्षों के लिए श्री करतारपुर साहिब गलियारे पर समझौते को नवीनीकृत कर दिया है।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि पाकिस्तान द्वारा प्रति तीर्थयात्री प्रति यात्रा के लिए लगाए गए 20 डॉलर सेवा शुल्क को हटाने के संबंध में तीर्थयात्रियों के निरंतर अनुरोधों के मद्देनजर भारत ने एक बार फिर पाकिस्तान से तीर्थयात्रियों पर कोई शुल्क नहीं लगाने का आग्रह किया है।

नड्डा ने पोस्ट में कहा, ''हमारे सिख भाइयों-बहनों की आध्यात्मिक आकांक्षाओं को सम्मान देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के तहत मोदी सरकार ने श्री करतारपुर साहिब गलियारा संबंधी समझौते को और पांच वर्षों के लिए बढ़ा दिया है।'' उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व के तहत हमारी सरकार ने हमारे देश की जीवंत सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत का जश्न मनाने और बढ़ावा देने वाली पहलों को प्राथमिकता दी है।'' भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि समझौते का यह विस्तार न केवल आध्यात्मिक यात्राओं को बढ़ाने के लिए मोदी सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है बल्कि यह भी सुनिश्चित करता है कि श्रद्धालु श्री करतारपुर साहिब की यात्रा गरिमा के साथ कर सकें।

आंध्र प्रदेश में तेदेपा नीत राजग सरकार के शासन में महिलाओं पर अत्याचार बढ़े : जगन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुंटूर (आंध्र प्रदेश)/भाषा। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और वाईएसआरसीपी प्रमुख वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने बुधवार को आरोप लगाया कि तेदेपा के नेतृत्व वाली राजग सरकार के सत्ता में आने के बाद आंध्र प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार बढ़ गए हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि राज्य में नई सरकार बनने के चार महीने के भीतर कई महिलाओं और बच्चों के साथ बलात्कार की घटनाएं हुई।

गुंटूर में एक पीड़ित के परिवार से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बात करते हुए रेड्डी ने कहा, वाईएसआरसीपी सरकार के तहत हम दिशा ऐप (महिला सुरक्षा ऐप) लाए और 1.5 करोड़ से अधिक महिलाओं को इसे डाउनलोड करने के लिए कहा। खतरे में फंसी कोई भी महिला 10 मिनट के भीतर पुलिस सुरक्षा पाने के लिए एसओएस (अलर्ट) बटन दबा सकती थी। जगन ने आरोप लगाया कि तेदेपा नेताओं द्वारा किए गए अत्याचारों के लिए कोई सजा नहीं है। उन्होंने कहा कि अकेले दिशा ऐप से 31,607 महिलाओं को बचाया गया था।

देवप्रयाग में सेना का वाहन दुर्घटनाग्रस्त, एक जवान की मौत

नई टिहरी/भाषा। उत्तराखंड में टिहरी जिले के देवप्रयाग में बुधवार को सेना के एक वाहन के पलटने से उसके नीचे दबकर एक जवान की मौत हो गयी । पुलिस ने यह जानकारी दी। देवप्रयाग के थाना प्रभारी महिपाल सिंह रावत ने बताया कि यह हादसा दोपहर करीब पौने बारह बजे ऋषिकेश-बदरीनाथ राजमार्ग पर एनएचपीसी मोड़ पर तब हुआ जब सेना का वाहन जवानों को लेकर गौचर से देहरादून के रायवाला जा रहा था। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने तत्काल मशीन बुलाकर सेना के वाहन को सीधा करवाया एवं नीचे दबे जवान को बाहर निकाला। रावत ने बताया कि जवान को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देवप्रयाग पहुंचाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उनके अनुसार मृतक जवान की पहचान 26 राजपूत रेजीमेंट के हवलदार शैलेंद्र सिंह (35) के रूप में हुई है ।

वक्फ समिति के भाजपा सदस्यों ने कल्याण बनर्जी को लोकसभा से निलंबित करने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वक्फ (संशोधन) विधेयक पर गठित संसद की समिति में शामिल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्यों ने बुधवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर तृणमूल कांग्रेस के कल्याण बनर्जी को लोकसभा से निलंबित करने और प्राथमिकी दर्ज किये जाने की मांग की।

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे, अपराजिता सारंगी और अभिजीत गंगोपाध्याय ने समिति की बैठक के दौरान कथित 'अप्रत्याशित हिंसा' के लिए जांच पूरी होने तक बनर्जी को सदन से तत्काल निलंबित करने की मांग की है। तीनों सांसदों की ओर से हस्ताक्षरित पत्र में लोकसभा आचार समिति से बनर्जी की सदस्यता रद्द करने पर विचार करने के लिए भी मामले की जांच कराने की मांग की गई है।

समिति की बैठक में मंगलवार को उस समय बेहद ही नाटकीय घटनाक्रम हुआ जब बनर्जी ने पानी वाली कांच की बोतल तोड़कर समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल की तरफ फेंक दी, जिसके बाद उन्हें एक दिन के लिए समिति की बैठक से निलंबित कर दिया गया।

भाजपा के सांसद अभिजीत गंगोपाध्याय के साथ तीखी बहस के दौरान बनर्जी गुस्से में आ गए और बोतल तोड़कर फेंक दी। इस दौरान उनकी अंगुलियों में चोट आई।

निर्माण कार्यों में खामी को ठीक करने की अवधि बढ़ाकर 10 साल करने का निर्णय : गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा कि सरकार ने इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) आधार पर आवंटित परियोजनाओं के ठेकेदारों के लिए किसी प्रकार की कमी या खराबी को ठीक करने को लेकर जिम्मेदारी अवधि दोगुनी कर 10 साल करने का फैसला किया है।

वर्तमान में, ईपीसी परियोजनाओं के तहत, परियोजना में किसी प्रकार की कमी या खराबी को ठीक करने की जिम्मेदारी अवधि पांच साल है। यह अवधि समाप्त होने के बाद राष्ट्रीय राजमार्गों के रखरखाव का दायित्व सरकार का होता है।

गडकरी ने यहां एक कार्यक्रम में कहा, ''ईपीसी के तहत बनाई गई सड़कों की गुणवत्ता अच्छी नहीं है। ईपीसी के तहत चीजों को दुरुस्त करने की जिम्मेदारी की अवधि पांच साल है... और तीन साल के भीतर, सड़कों पर बहुत सारी समस्याएं सामने आती हैं।''

मंत्री ने कहा कि बीओटी (बनाओ, चलाओ और सौंप दो) या एचएएम (हाइब्रिड एन्यूटी मॉडल) के तहत बनाई गई सड़कें अच्छी स्थिति में हैं क्योंकि सड़कों के रखरखाव की जिम्मेदारी ठेकेदार की होती है और उसे कीमत चुकानी पड़ती है। उन्होंने कहा, ''इसीलिए अब हमने निर्णय किया है कि ईपीसी के तहत कोई भी सड़क बने, हम खराबी को ठीक करने की जिम्मेदारी की अवधि को पांच साल से बढ़ाकर 10 साल कर देंगे।''

मंत्री ने कहा कि ठेकेदारों के लिए गड़बड़ियों को दुरुस्त करने की अवधि बढ़ाने से वे अच्छी गुणवत्ता वाली सड़कें बनाने के लिए बाध्य होंगे।

ईपीसी परियोजनाएं वे हैं जिसमें सरकार पैसा लगाती है, जबकि निजी भागीदार केवल निर्माण में सहायता प्रदान करते हैं।

सड़क निर्माण का हाइब्रिड एन्यूटी मॉडल वह है जहां सरकार राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण के लिए आंशिक रूप से पैसा देती है। वहीं बीओटी के तहत वे परियोजनाएं आती हैं, जहां निर्माण जोखिम का जिम्मा 20-30 साल की छूट अवधि के साथ संबंधित कंपनी उठाती है।

नितिन गडकरी ने निर्यात बढ़ाने और आयात घटाने की जरूरत पर भी जोर दिया।

न्यायालय ने आजीवन कारावास के फैसले के खिलाफ स्वामी श्रद्धानंद की याचिका पर विचार से इनकार किया

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को स्वामी श्रद्धानंद की उस याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया, जिसमें उसने अपनी पत्नी की हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा के फैसले पर पुनर्विचार का अनुरोध किया था। न्यायमूर्ति बी.आर. गवई, न्यायमूर्ति पी.के. मिश्रा और न्यायमूर्ति के.वी. विश्वनाथन की पीठ ने श्रद्धानंद के वकील की दलीलें सुनीं, जिन्होंने तर्क दिया कि उनके मुवक्किल को जीवन भर जेल से रिहा करने से इनकार वाले फैसले के एक हिस्से ने संविधान के अनुच्छेद 14 (कानून के समक्ष समानता) और अनुच्छेद 21 (जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की सुरक्षा) के तहत उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन किया है।

पीठ ने कहा, ''आप दलील दे सकते हैं कि तथ्यों के आधार पर यह उचित नहीं है। लेकिन एक सजा के रूप में इसे लागू किया जा सकता है, जिसे अब पांच न्यायाधीशों ने बरकरार रखा है।'' श्रद्धानंद (84) उर्फ मुरली मनोहर मिश्रा ने उच्चतम न्यायालय की तीन न्यायाधीशों की पीठ के जुलाई 2008 के फैसले की समीक्षा का अनुरोध किया था। श्रद्धानंद की पत्नी मैसूर रियासत के पूर्व दीवान की पोती थीं।

न्यायालय ने बहुमत के फैसले में कहा, राज्यों को औद्योगिक अल्कोहल के विनियमन का अधिकार है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को एक फैसले में कहा कि राज्यों को औद्योगिक अल्कोहल के उत्पादन, विनिर्माण और आपूर्ति करने का नियामक अधिकार है।

न्यायालय ने एक के मुकाबले आठ के बहुमत से पारित अपने फैसले में कहा कि संविधान की सातवीं अनुसूची में राज्य सूची की प्रविष्टि 8 में ''मादक शराब'' वाक्यांश के दायरे में औद्योगिक अल्कोहल भी शामिल होगी।

बहुमत पीठ में प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति हृषिकेश रॉय, न्यायमूर्ति अभय एस ओका, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला, न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा, न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां, न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह शामिल थे। हालांकि, न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना ने इससे असहमति जताते हुए कहा कि राज्यों के पास औद्योगिक अल्कोहल या मिलावटी स्पिरिट को विनियमित करने की विधायी क्षमता नहीं है। उच्चतम न्यायालय के बहुमत के फैसले ने 1990 के सिंथेटिक्स एंड केमिकल्स लिमिटेड बनाम उत्तर प्रदेश राज्य मामले में सात न्यायाधीशों की पीठ के फैसले को पलट दिया, जिसमें कहा था कि केंद्र के पास औद्योगिक अल्कोहल के उत्पादन पर नियामक शक्ति है। औद्योगिक अल्कोहल मानव उपयोग के लिए नहीं होता है। बहुमत का फैसला लिखने वाले प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि प्रविष्टि 8 में ''कच्चे माल से लेकर मादक शराब के उत्पादन तक'' हर चीज को विनियमित करने का प्रयास किया गया है। सात न्यायाधीशों की तरफ से भी सीजेआई ने फैसला लिखा। पीठ ने 364 पन्नों के फैसले में कहा कि संसद केवल सूची-एक की प्रविष्टि 52 के तहत घोषणा करके पूरे उद्योग के क्षेत्र पर कब्जा नहीं कर सकती। पीठ ने कहा संसद के पास मादक शराब के उद्योग पर नियंत्रण करने के लिए कानून बनाने की विधायी क्षमता नहीं है।

आतंकी घटनाओं को रोकने का एकमात्र रास्ता भारत-पाकिस्तान के बीच सुलह : महबूबा मुफ्ती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। गांदरबल में आतंकवादी हमले के कुछ दिनों बाद पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने बुधवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर को भारत और पाकिस्तान के बीच शत्रुता का खामियाजा भुगतना पड़ रहा है और इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाने का एकमात्र रास्ता दोनों देशों के बीच सुलह है।

गांदरबल जिले के गुंड में रविवार को एक शिविर पर आतंकवादियों के हमले में सात लोगों (एक स्थानीय चिकित्सक और छह गैर-स्थानीय मजदूर) की मौत हो गई थी, जबकि पांच घायल हो गए थे। मजदूर एक सुरंग परियोजना पर काम कर रहे थे।

हमले में मारे गए डॉ. शाहनवाज डार के बडगाम जिले के नैदगाम गांव में स्थित घर पर पहुंचकर महबूबा ने संवाददाताओं से कहा, ''जम्मू-कश्मीर के लोग दोनों देशों के बीच शत्रुता में फंस गए हैं। उनका जीवन और उनकी संपत्ति नष्ट हो रही है क्योंकि दोनों देश एक-दूसरे से लड़ रहे हैं। जम्मू-कश्मीर को इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है और गरीब गैर-स्थानीय मजदूरों को भी इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है।'' पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि डार लोगों की सेवा कर रहे थे और एक सम्मानित व्यक्ति थे, लेकिन उन्हें दोनों देशों के बीच दुश्मनी का खामियाजा भुगतना पड़ा। उन्होंने कहा, ''जब तक दोनों देश एक साथ नहीं बैठेंगे, सौहार्दपूर्ण तरीके से बात नहीं करेंगे और (पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी) वाजपेयी की तरह सुलह का रास्ता नहीं अपनाएंगे, तब तक जम्मू-कश्मीर और देश के बाकी लोगों को ऐसी घटनाएं देखने को मिलती रहेंगी।''

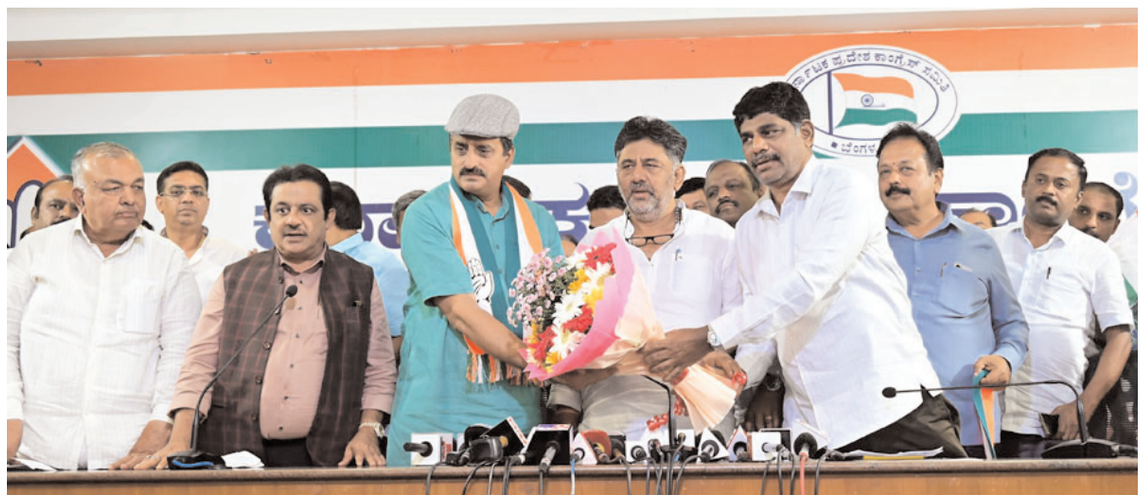

विधानसभा उपचुनाव से पहले भाजपा नेता योगेश्वर कांग्रेस में शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में एक नाटकीय घटनाक्रम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता और पूर्व मंत्री सी. पी. योगेश्वर बुधवार को अपनी पार्टी छोड़कर कांग्रेस में शामिल हो गए। उन्हें 13 नवंबर को चन्नपटना विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए कांग्रेस उम्मीदवार के तौर पर मैदान में उतारे जाने की संभावना है। योगेश्वर ने सोमवार को विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने के बाद सुबह मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार से मुलाकात की। शिवकुमार ने यहां कांग्रेस के राज्य मुख्यालय में मंत्री रामलिंगा रेड्डी, कृष्ण बायरे गौड़ा, चेलुवरायस्वामी और जमीर अहमद खान सहित पार्टी के अन्य नेताओं की उपस्थिति में योगेश्वर को पार्टी में शामिल किया।

भाजपा द्वारा चन्नपटना सीट गठबंधन सहयोगी जद (एस) को दिए जाने के बाद, अभिनेता से नेता बने योगेश्वर ने गठबंधन नेताओं से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ने के संबंध में विचार करने की अपील की थी। उन्होंने यह भी कहा था कि टिकट नहीं मिलने पर वे निर्दलीय चुनाव लड़ने की योजना बना रहे हैं। जद (एस) के सूत्रों ने कहा कि योगेश्वर को पार्टी के टिकट पर मैदान में उतारने की योजना थी, लेकिन वह इसमें रुचि नहीं ले रहे थे। इसके बजाय वह चाहते थे कि कुमारस्वामी उन्हें भाजपा उम्मीदवार के रूप में समर्थन दें, जो कुमारस्वामी और उनकी पार्टी को स्वीकार्य नहीं था।

कांग्रेस के एक वर्ग की ओर से चन्नपटना से शिवकुमार के भाई और पूर्व सांसद डी. के. सुरेश को टिकट देने की मांग की जा रही है। लेकिन कहा जा रहा है कि उन्होंने इस क्षेत्र में योगेश्वर की लोकप्रियता, प्रभाव और जीतने की ''संभावना'' को देखते हुए उन्हें मैदान में उतारने का फैसला किया है। योगेश्वर पहले भी इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। डी. के. ''बंधु'' शिवकुमार और सुरेश, वोक्कालिगा जाति बहुल क्षेत्र में कांग्रेस की खोई जमीन वापस पाने की उम्मीद कर रहे हैं, जो उनका गृह क्षेत्र है। लोकसभा चुनाव में सुरेश भाजपा-जद (एस) के संयुक्त उम्मीदवार और कुमारस्वामी के रिश्तेदार डॉ सी. एन. मंजूनाथ से बेंगलूरु ग्रामीण में हार गए थे। चन्नपटना विधानसभा सीट बेंगलूरु ग्रामीण के अंतर्गत आती है। जद (एस) सूत्रों के अनुसार, चन्नपटना सीट का प्रतिनिधित्व कर चुके कुमारस्वामी इसे योगेश्वर या भाजपा को नहीं देना चाहते थे।

कुमारस्वामी ने 2018 और 2023 में चन्नपटना सीट जीती थी। उससे पहले योगेश्वर भाजपा और समाजवादी पार्टी (सपा) से इस सीट का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। इससे पहले वे निर्दलीय और कांग्रेस दोनों ही उम्मीदवारों के तौर पर भी इस सीट का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

योगेश्वर का पार्टी छोड़कर कांग्रेस में शामिल होना अप्रत्याशित नहीं : विजयेन्द्र येडीयुरप्पा

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने बुधवार को कहा कि 13 नवंबर को होने वाले विधानसभा उपचुनाव से पहले सी पी योगेश्वर का भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल होना अप्रत्याशित नहीं है और जनता दल (एस) को चन्नपटना से उम्मीदवार के बारे में फैसला करना है।

विजयेंद्र ने कहा कि भाजपा और जनता दल (एस) एकजुट होकर काम करेंगे और चन्नपटना में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) उम्मीदवार की जीत सुनिश्चित करेंगे। एक नाटकीय घटनाक्रम में योगेश्वर ने बुधवार को भाजपा छोड़ दी और कांग्रेस में शामिल हो गए। अब कांग्रेस उन्हें चन्नपटना से उम्मीदवार बना सकती है।

विजयेंद्र ने कहा, आज का घटनाक्रम अप्रत्याशित नहीं था, इसकी उम्मीद थी। योगेश्वर के सभी दलों में खास संपर्क हैं, इसलिए उन्होंने राजनीतिक फैसला लिया है। मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं। मैं अन्य भाजपा नेताओं के साथ एच डी कुमारस्वामी के नेतृत्व वाले जनता दल (एस) के नेताओं से चर्चा करूंगा, जनता दल (एस) को तय करना है कि चन्नपटना से कौन उम्मीदवार होगा। उन्होंने कहा, योगेश्वर के पार्टी छोड़ने से पार्टी संगठन पर कोई असर नहीं पड़ेगा...हमारा लक्ष्य पुराने मैसूर क्षेत्र में भाजपा के संगठन को मजबूत करना है, हम ऐसा करेंगे। इस भ्रम में रहने की कोई जरूरत नहीं है कि हम इसके लिए योगेश्वर पर निर्भर थे। हमारे पास कार्यकर्ताओं की एक मजबूत टीम है।

भाजपा, जद (एस) चन्नपटना उपचुनाव के लिए उम्मीदवार पर चर्चा करेंगे : निखिल कुमारस्वामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जनता दल (एस) के नेता एवं केंद्रीय मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी के बेटे निखिल कुमारस्वामी ने बुधवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उनकी पार्टी के नेता चन्नपटना विधानसभा क्षेत्र में 13 नवंबर को होने वाले उपचुनाव के लिए राजग उम्मीदवार के संबंध में चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा नेता सी. पी. योगीश्वर का पार्टी छोड़कर कांग्रेस में शामिल होने का फैसला 'अप्रत्याशित' नहीं है। उन्होंने दावा किया कि सत्तारूढ़ पार्टी को अपनी पार्टी से कोई उपयुक्त उम्मीदवार नहीं मिल सका और उसे मुकाबले के लिए ''किसी बाहरी'' व्यक्ति पर निर्भर रहना पड़ा।

निखिल ने कहा, ''भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर. अशोक ने (एच डी) कुमारस्वामी से बात की है। शाम को दोनों दलों की राज्य इकाई के नेता चर्चा करेंगे और चन्नपटना के लिए राजग उम्मीदवार की घोषणा करेंगे।'' जद (एस) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं अपने दादा एच. डी. देवेगौड़ा से मुलाकात के बाद उन्होंने यहां

पत्रकारों से कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री ने उनसे कहा है कि उनकी पार्टी की ओर से किसी भी तरह से जद (एस) और भाजपा के बीच गठबंधन पर ''कोई दाग'' नहीं लगाया जाना चाहिए क्योंकि इस साल के शुरू में हुए लोकसभा चुनाव में राज्य की जनता ने इस गठबंधन को अपना आशीर्वाद दिया था।

चन्नपटना में संडूर और शिग्गांव विधानसभा क्षेत्रों के साथ उपचुनाव होंगे। नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 25 अक्टूबर है तथा नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर है। चन्नपटना सीट पर उपचुनाव इसलिए आवश्यक हो गया है क्योंकि यह सीट एच. डी. कुमारस्वामी के मांड्या से लोकसभा के लिए निर्वाचित होने के बाद रिक्त हो गई थी।

निखिल ने कहा कि 136 विधायकों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार के भाई एवं पूर्व सांसद डी. के. सुरेश के लिए चन्नपटना में टिकट की मांग करने के बावजूद यह टिकट किसी अन्य पार्टी से आए योगीश्वर को दिया गया है। उन्होंने पूछा कि सत्तारूढ़ पार्टी ने ''बाहरी'' उम्मीदवार को क्यों चुना। उन्होंने आरोप लगाया कि योगीश्वर की राजनीति किसी भी पार्टी के प्रति प्रतिबद्धता के ''बिना'' रही है। उन्होंने कहा कि उनकी ''राजनीति सत्ता और स्वार्थी उद्देश्यों के लिए'' है। भाजपा द्वारा चन्नपटना सीट गठबंधन सहयोगी जद (एस) को दिए जाने के बाद अभिनेता से नेता बने योगीश्वर ने गठबंधन नेताओं से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ने के संबंध में विचार करने की अपील की थी। उन्होंने यह भी कहा था कि टिकट नहीं मिलने पर वे निर्दलीय चुनाव लड़ने की योजना बना रहे हैं। जद (एस) के सूत्रों ने कहा कि योगीश्वर को पार्टी के टिकट पर मैदान में उतारने की योजना थी लेकिन वह इसमें रुचि नहीं ले रहे थे। इसके बजाय वह चाहते थे कि कुमारस्वामी उन्हें भाजपा उम्मीदवार के रूप में समर्थन दें, जो कुमारस्वामी और उनकी पार्टी को स्वीकार्य नहीं था। राजग उम्मीदवार के रूप में उपचुनाव लड़ने की संभावना पर निखिल ने कहा कि जद (एस) कार्यकर्ता के रूप में वह व्यक्तिगत रूप से चाहते हैं कि पार्टी के किसी ईमानदार और स्थानीय कार्यकर्ता को टिकट दिया जाये।

कर्नाटक सरकार ने भैंसा दौड़ 'कंबाला' का बचाव किया, पेटा की याचिका का विरोध किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार ने बुधवार को भैंसा दौड़ कंबाला' का बचाव करते हुए उच्च न्यायालय के समक्ष कहा कि कीचड़ भरे ट्रैक पर होने वाली यह दौड़ एक खास क्षेत्र की नहीं, बल्कि पूरे राज्य की सांस्कृतिक विरासत का प्रतिनिधित्व करती है। सरकार ने 'पीपल फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स (पेटा)' इंडिया की ओर से दायर एक जनहित याचिका के जवाब में यह बयान दिया।

याचिका में दलील दी गई है कि 'कंबाला' मुख्य रूप से उडुपी और दक्षिण कन्नड़ जिले का पारंपरिक खेल है और पूरे राज्य में दौड़ का आयोजन संस्कृति के संरक्षण की कोशिश करने के बजाय व्यावसायिक हितों से प्रेरित है। कर्नाटक सरकार की ओर से पेश महाधिवक्ता शशि किरण शेट्टी ने

पेटा के इस दावे का खंडन किया कि 'कंबाला' विशिष्ट क्षेत्रों तक सीमित है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि 'कंबाला' कर्नाटक के व्यापक सांस्कृतिक ताने-बाने का हिस्सा है और इसका आयोजन संभवतः पूरे देश में किया जा सकता है। शेट्टी ने 'कंबाला' की तुलना घुड़दौड़ से की, जिसमें राज्यों में विभिन्न जगहों से घोड़ों को प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए ले जाया जाता है। उन्होंने कहा कि मुद्दा भौगोलिक स्थिति नहीं, बल्कि यह है कि क्या उक्त खेल का आयोजन जानवरों के प्रति क्रूरता है।

शेट्टी ने बेंगलूरु कार्यक्रम की तारीख के संबंध में पेटा के दावे में सुधार भी किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि 26 अक्टूबर को किसी 'कंबाला' दौड़ के आयोजन की योजना नहीं है और नवंबर में इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए सक्षम प्राधिकारी से अनुमति मांगी जाना बाकी है। न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया और न्यायमूर्ति केवी अरविंद की खंडपीठ ने मामले की अगली सुनवाई के लिए पांच नवंबर की तारीख निर्धारित की। उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि अगर आयोजन के लिए अनुमति दी जाती है, तो उसे पहले से सूचित किया जाए ताकि पेटा जरूरत पड़ने पर आगे कानूनी कदम उठा सके।

पेटा की याचिका में बेंगलूरु में 'कंबाला' के आयोजन पर रोक लगाने और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 के प्रावधानों के साथ-साथ 2017 में इसमें किए गए संशोधनों को लागू करने का अनुरोध किया गया है।

बेंगलूरु इमारत हादसा

छह और शव बरामद, पुलिस ने मालिक और ठेकेदार को हिरासत में लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु के बाबूसापल्या में एक निर्माणाधीन इमारत ढह जाने के बाद तलाशी तथा बचाव अभियान के दौरान छह और लोगों के शव बरामद किए गए। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि इसके साथ ही हादसे में जान गंवाने वालों की संख्या अब बढ़कर सात हो गई है। पुलिस ने बताया कि यह घटना मंगलवार को हुई जिसके बाद से ही अग्निशमन एवं आपातकालीन विभाग, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा मोचन बल की टीम घटनास्थल पर राहत-बचाव अभियान में जुटी है।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, ''मुनिराज रेड्डी के बेटे भुवन रेड्डी और इमारत का निर्माण करने वाले ठेकेदार मुनियप्पा को हिरासत में ले लिया गया है। भुवन रेड्डी के नाम पर इस इमारत का निर्माण किया जा रहा था।'' अधिकारी ने कहा, ''केवल चार मंजिल के निर्माण की ही अनुमति दी गई थी लेकिन सात मंजिल का निर्माण किया गया।'' राहत-बचाव दल ने मंगलवार को एक और शव बरामद किया। अधिकारी ने बताया, ''इस घटना के बाद अब तक छह और शव बरामद किए जा चुके हैं जबकि छह व्यक्ति घायल हैं।'' उन्होंने बताया कि घटनास्थल से अब तक 13 श्रमिकों को बचा लिया गया है।

बुधवार को उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बीबीएमपी अधिकारियों के साथ बैयटरायनपुरा क्षेत्र में बारिश से प्रभावित आवासीय क्षेत्रों का दौरा किया। इस मौके पर बीबीएमपी के मुख्य आयुक्त तुषार गिरिनाथ, डीसीएम सचिव राजेंद्र चोलन और अन्य उपस्थित थे।

बेंगलूरु के बाढ़ प्रभावित 'अपार्टमेंट' के निवासियों को जबरन स्थानांतरित करना पड़ सकता है : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु में लगातार हो रही बारिश के बीच बृहत बेंगलूरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) द्वारा 'केंद्रीय विहार अपार्टमेंट' परिसर को अगले सात दिनों के लिए सील किए जाने के निर्णय लेने के बाद उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने बुधवार को कहा कि सहयोग करने से इनकार कर रहे कुछ स्थानीय निवासियों से उनकी सुरक्षा और हित को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारियों द्वारा परिसर को जबरन खाली कराना पड़ सकता है। इसके अलावा 603 घरों वाले परिसर का दौरा करने वाले बेंगलूरु विकास मंत्री शिवकुमार ने कहा कि अधिकतर निवासियों को स्थानांतरित कर दिया गया है और उनके रहने के लिए सुविधाएं उपलब्ध करा दी गई हैं।

उन्होंने कहा, संभवतः येलहंका के करीब 115 से 120 साल के इतिहास में इतनी बारिश कभी नहीं हुई, अब तक केवल चार बार बेंगलूरु में इतनी बारिश हुई है। पानी निकाला जा रहा है। केन्द्रीय विहार इमारत में आठ खंडों में लगभग 603 फ्लैट हैं। निगम के माध्यम से हमने इसे अपने कब्जे में ले लिया है, हम पानी और बिजली की आपूर्ति करने में असमर्थ हैं। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि 95 प्रतिशत निवासियों ने सहयोग किया और कल्याण संघ की मदद से घर खाली कर दिया है, अधिकारियों के अनुसार करीब 20 घर अब भी बिजली आपूर्ति न होने के बावजूद संभवत: अपनी भावनाओं के कारण वहां रह रहे हैं।

उन्होंने कहा, ''हम इंतजार नहीं कर सकते। कल ही पुलिस, अधिकारियों और संघ के सदस्यों तथा चिकित्सकों को वहां रह रहे लोगों को बाहर निकालने, दरवाजे खोलने और उन्हें रहने के लिए आवास उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए थे... बिजली और पानी की आपूर्ति नहीं है, पता नहीं कि उनके पास भोजन है या नहीं, फिर भी वे इतने प्रयासों के बावजूद बाहर आने को तैयार नहीं हैं। इसलिए हमें उन्हें जबरन वहां से उठाना होगा।'' भारी बारिश और बाढ़ की आशंका के बीच बीबीएमपी ने मंगलवार को आवासीय परिसर को खाली करने का आदेश दिया था। बचाव दलों ने मंगलवार को यलहंका झील के पास स्थित अपार्टमेंट से सैकड़ों निवासियों को निकाला। यहां परिसर के भूमिगत हिस्से में कई वाहन पूरी तरह से जलमग्न हो गए। शिवकुमार ने कहा, ...जो लोग अपार्टमेंट में हैं उन्हें भी बाहर आना होगा, भले ही वे वृद्ध हों। उन्हें होटल में लगभग एक सप्ताह या 10 दिनों के लिए सुविधाएं प्रदान की जाएंगी...।

भारी बारिश के पूर्वानुमान के बीच बंद रहे स्कूल, आंगनबाड़ी

बेंगलूरु। बेंगलूरु में भारी बारिश के पूर्वानुमान के मद्देनजर बुधवार को स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्र बंद रहे। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, बुधवार सुबह साढ़े आठ बजे तक पिछले 24 घंटे में बेंगलूरु में 23.6 मिलीमीटर बारिश हुई है। शहर में आज आमतौर पर बादल छाए रहने और मध्यम बारिश/गरज के साथ बूंदाबांदी का पूर्वानुमान है। दिन में भारी बारिश भी हो सकती है। कर्नाटक सरकार ने सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), जैव प्रौद्योगिकी (बीटी), इलेक्ट्रॉनिक तथा निजी कंपनियों को बुधवार को अपने कर्मचारियों को घर से काम करने की अनुमति देने का सुझाव दिया।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर पुलिस मुख्यालय की महिला सुरक्षा के प्रति जागरूकता की विशेष पहल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य सरकार के निर्देश पर प्रदेश में 5 से 20 अक्टूबर तक संचालित 'सुरक्षा सखी संवाद पखवाड़े' में पुलिस थानों से जुड़ी सैकड़ों सुरक्षा सखियों द्वारा चलाई गई विशेष मुहिम में 3 लाख 51 हजार से अधिक महिलाओं और बालिकाओं को घर-घर जाकर महिला सुरक्षा और अधिकारों के प्रति जागरूकता किया गया है। यह कैंपेन प्रदेश के एक हजार से अधिक पुलिस थानों के स्तर सक्रिय सुरक्षा सखियों द्वारा घर-घर चलाई गई। अभियान में सुरक्षा सखियों ने गांव-गुवाड़, नुक्कड़-मौहल्लों और प्रमुख स्थानों पर महिलाओं और बालिकाओं से संवाद स्थापित कर उन्हें महिला सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया।

अतिरिक्त महानिदेशक, पुलिस (एडीजी) सिविल राइट्स एवं एएचटी श्रीमती मालिनी अग्रवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा ने गत दिनों में गृह विभाग की समीक्षा बैठक में प्रदेश में महिला सुरक्षा के प्रति विशेष जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश प्रदान किए थे। इसकी पालना में पुलिस मुख्यालय की मॉनिटरिंग में महिलाओं और बालिकाओं में स्वयं की सुरक्षा के प्रति जागरूकता तथा उन्हें सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के उद्देश्य से यह अभियान सभी जिलों में संचालित किया गया। उन्होंने बताया कि 'सुरक्षा सखी पखवाड़े' में प्रदेश के सभी थानों से जुड़ी सक्रिय सुरक्षा सखियों के माध्यम से 2 लाख 36 हजार से अधिक बालिकाओं और एक लाख 15 हजार से ज्यादा महिलाओं को जागरूक किया गया।

एडीजी श्रीमती अग्रवाल ने बताया कि प्रदेश में पुलिस आयुक्त, रेंज महानिरीक्षक, जिला पुलिस अधीक्षक और पुलिस उपायुक्तों की देखरेख में थानों के स्तर पर नियुक्त नोडल अधिकारियों के पर्यवेक्षण में 'सुरक्षा सखियों द्वारा घर-घर जाकर महिलाओं और बालिकाओं से सम्पर्क करते हुए उन्हें महिला सुरक्षा से सम्बंधित कानूनों के बारे में जानकारी दी गई।

वहीं सार्वजनिक स्थानों पर महिला समूहों से संवाद कर उनको जागरूक किया गया। इस दौरान महिलाओं और बालिकाओं से प्राप्त फीडबैक और सुझावों से सम्बंधित थानों को अवगत कराया जाएगा। एडीजी ने बताया कि प्रदेश में पुलिस आयुक्त, रेंज महानिरीक्षक, जिला पुलिस अधीक्षक और पुलिस उपायुक्त को अभियान में सराहनीय कार्य करने वाली सुरक्षा सखियों आगामी दिनों में रेंज स्तर पर सम्मानित किया जाएगा।

पूर्व उपराष्ट्रपति भैरोंसिंह शेखावत को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी गयी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पूर्व उपराष्ट्रपति एवं राजस्थान के मुख्यमंत्री भैरोंसिंह शेखावत की 101 वीं जयंती पर बुधवार को यहां उन्हें श्रद्धांजलि दी गयी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री निवास पर शेखावत की 101 वी जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित की। शर्मा ने कहा कि भैरोंसिंह जी तीन बार राज्य के मुख्यमंत्री रहे तथा वह राजस्थान के सबसे लोकप्रिय राजनेताओं में से एक तथा भारतीय राजनीति के शिखर पुरुष थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि शेखावत ने बालिकाओं के उत्थान एवं कल्याण, शिक्षा को बढ़ावा देना, अनुसूचित जाति-जनजाति सहित सभी वर्गों के कल्याण के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित किया। राजस्थान विधानसभा में भी शेखावत को श्रद्धांजलि दी गयी। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शेखावत के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।

देवनानी ने कहा कि जन-जन के हितैषी शेखावत की राजस्थान के विकास में अहम भूमिका थी। उन्होंने कहा कि राजस्थान के सर्वांगीण विकास में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा, उन्होंने गरीबों के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं बनाई और उन्हें राज्य में क्रियान्वित की। इस अवसर पर पूर्व विधायक नवरंग सिंह एवं नरपत सिंह राजवी तथा शेखावत के परिजन तथा अधिकारी कर्मचारियों ने भी शेखावत की मूर्ति पर पुष्प चढ़ाये।

कल्याण बनर्जी के आचरण पर अपना रुख स्पष्ट करें 'इंडी' गठबंधन के नेता : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने बुधवार को कहा कि राहुल गांधी समेत विपक्षी 'इंडी' गठबंधन के नेता तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी के आचरण पर अपना रुख स्पष्ट करें। बनर्जी ने मंगलवार को वक्फ संशोधन विधेयक पर विचार कर रही संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की बैठक में पानी वाली कांच की बोतल तोड़कर समिति के अध्यक्ष की ओर फेंकी। इस नाटकीय घटनाक्रम के बाद बनर्जी को एक दिन के लिए निलंबित कर दिया गया। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए शेखावत ने

बुधवार को यहां कहा कि कल्याण बनर्जी का आचरण न केवल संसदीय परंपराओं का अपमान है, बल्कि संसदीय संस्थाओं और संविधान का भी अपमान है।

उन्होंने कहा,कल्याण बनर्जी ने जिस तरह का आचरण किया है वह न केवल संसदीय परंपराओं, संसदीय संस्थाओं, संविधान एवं संवैधानिक व्यवस्थाओं का अपमान है अपितु उन लाखों मतदाताओं के विश्वास का भी अपमान है जिन्होंने उन्हें चुनकर संसद में भेजा है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में इस तरह के अपमान को कतई स्वीकार नहीं किया जा सकता। शेखावत ने कहा,मैं कांग्रेस पार्टी और इंडी गठबंधन के सारे नेताओं से पूछना चाहता हूं कि इस मामले में उनका क्या रुख है।

उन्होंने कहा, राहुल गांधी से लेकर 'इंडी' गठबंधन से जुड़ी सब पार्टियों को मेरी चुनौती है कि ... या तो वे इस विषय का खंडन करें या देश की जनता को जवाब दें कि इस तरह के अलोकतांत्रिक व्यवहार को लेकर उनकी क्या मानसिकता है।'

बस और ट्रॉले की टक्कर में तीन लोगों की मौत

जयपुर। राजस्थान के कोटपूतली-बहरोड़ जिले में बुधवार तड़के जयपुर-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक बस और ट्रॉले की टक्कर में दो महिलाओं समेत तीन लोगों की मौत हो गई और 40 से अधिक लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी राजेश शर्मा ने बताया कि हादसा कोटपूतली में कंवरपुरा स्टैंड पर बुधवार सुबह करीब पांच बजे हुआ जब जयपुर-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक बस और ट्रॉले की टक्कर हो गई।

उन्होंने बताया कि बस चालक सहित तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में दो महिलाएं हैं।

गोबर से बने 10 लाख दीयों से जगमगाएगी अमेरिका की दिवाली, पिंजरापोल गौशाला में हो रही है तैयारी

जयपुर। अमेरिका में इस बार राजधानी जयपुर में बने गाय के गोबर के दीयों से दिवाली मनेगी। यहां के एक महिला स्वयं सहायता समूह को करीब 10 लाख दीयों का ऑर्डर मिला है। जयपुर की पिंजरापोल गौशाला में गाय के गोबर से ये दीपक तैयार किए जा रहे हैं। अखिल भारतीय गौशाला परिषद के अंतर्राष्ट्रीय संयोजक डॉ. अतुल गुप्ता ने बताया कि वेद पुराणों में कहा गया है कि गाय के गोबर में लक्ष्मी का निवास होता है। ऐसे में हमारे यहां गाय के गोबर से कई तरह के उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं, जिनमें स्थानीय महिलाओं का काफी योगदान है। इसी के तहत दीपावली के मौके पर गाय के गोबर से बने दीपक तैयार किए जा रहे हैं, जिनकी मांग स्थानीय बाजार में काफी ज्यादा है. इतना ही नहीं इस बार विदेश से भी गाय के गोबर से बने दीपकों का बड़ी संख्या में आर्डर मिला है।

डॉ. गुप्ता ने बताया कि गाय के गोबर से बने ये दीपक हमारी ओर से ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरीके से भारतीय बाजार में बेचे जा रहे हैं। इस बार 10 लाख दीपकों का ऑर्डर अमेरिका से प्राप्त हुआ है और अमेरिका में रहने वाले भारतवंशी जयपुर में गाय के गोबर से बनने वाले दीपकों का उपयोग दिवाली मनाने के लिए करेंगे। उन्होंने बताया कि इस आर्डर को तैयार कर लिया गया है। तकरीबन 2 हजार महिलाओं ने दिन-रात मेहनत करके यह दीपक तैयार किए हैं। पिंजरापोल गौशाला में तकरीबन 5 हजार गायें हैं और और इन गायों के गोबर से दीपक ही नहीं बल्कि अन्य उत्पाद भी गौशाला में तैयार किए जा रहे हैं।

प्रदेश सरकार का ध्येय 'लक्ष्य-अंत्योदय, पथ-अंत्योदय, प्रण-अंत्योदय' : जोगाराम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं न्याय मंत्री एवं जिला प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल ने बुधवार को जयपुर जिले के ग्राम पंचायत अणतपुरा चिमनपुरा में 42 लाख रुपए की लागत से नवनिर्मित उप स्वास्थ्य केंद्र का विधिवत लोकार्पण किया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत अणतपुरा चिमनपुरा में वर्ष 2020 के पश्चात राजकीय सेवा में चयनित युवाओं को सम्मानित किया गया। पटेल ने कि कहा प्रदेश सरकार 'लक्ष्य-अंत्योदय, पथ-अंत्योदय, प्रण-अंत्योदय' के ध्येय के साथ विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार रूप देने के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

जिला प्रभारी मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने माननीय मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान के सर्वस्पर्शी एवं सतत विकास के लिए ऐतिहासिक बजट प्रदेशवासियों को समर्पित किया है। उन्होंने कहा कि बजट घोषणाओं की क्रियान्विति के लिए प्रभावी मॉनिटरिंग की जा रही है और भूमि आवंटन संबंधी कार्य लगभग पूर्ण किया जा चुका है। पटेल ने कहा कि युवाओं के रोजगार के लिए प्रदेश सरकार ने रोडमैप तैयार कर इस वर्ष एक लाख एवं आगामी 5 वर्षों में चार लाख सरकारी नौकरी दी जाएगी। उन्होंने ङ्कहा कि युवा हितों को ध्यान में रखकर प्रदेश के पेपर लीक गिरोह पर कड़ी कार्रवाई की जा रही है। साथ ही भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी ढंग से संपादित करने के लिए आवश्यक कार्यवाही भी की जा रही है।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि पेयजल समस्या के स्थाई समाधान के लिए प्रदेश सरकार द्वारा वर्षों से लंबित 'ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट' (ईआरसीपी) और यमुना जल समझौते के कार्य पूर्ण कर दिया है। इसका लाभ पूर्वी राजस्थान की जनता को पेयजल एवं सिंचाई के रूप में मिलेगा। पटेल ने कहा कि वर्ष 2027 तक सौर एवं पवन ऊर्जा के माध्यम से राजस्थान बिजली उत्पादन में आत्मनिर्भर प्रदेश बन जाएगा। वर्ष 2027 तक प्रदेश सरकार किसानों को दिन में बिजली, 24 घंटे घरेलू बिजली एवं उद्योगों को आवश्यकतानुसार बिजली उपलब्ध करवाएगी।

पटेल ने कहा कि प्रदेश के स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत बनाने के लिए पर्याप्त संख्या में स्वास्थ्य केंद्र, सैटेलाइट एवं जिला अस्पताल बनाए गए है। साथ ही मार्च 2025 तक चिकित्सकों एवं पैरा मेडिकल स्टाफ के पदों पर लगभग 52000 कार्मिकों के नियुक्ति की प्रक्रिया पूर्ण की जाएगी। पटेल ने कहा कि प्रदेश सरकार कृषि एवं किसान कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत मिलने वाली 6000 रुपए को राज्य सरकार ने बढ़ाकर 8000 रुपए किया है। साथ ही गेहूं के न्यूनतम समर्थन मूल्य को बढ़ाकर किसानों की फसल बेहतर मूल्य दिलाया जा रहा है।

अधूरे नामांकन के कारण देवी सिंह का फॉर्म अस्वीकार, गुरुवार को फिर करेंगे दाखिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दौसा। भाजपा से बगावत कर निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन करने के लिए पहुंचे देवी सिंह का फॉर्म अधूरा रहने के कारण निर्वाचन अधिकारी ने स्वीकार नहीं किया। बुधवार को देवी सिंह दोपहर में नामांकन करने के लिए पहुंचे। इस दौरान उन्होंने एसडीम मूलचंद लुनिया के समक्ष अपना नामांकन प्रस्तुत किया। लेकिन नामांकन अधूरा होने के कारण उन्हें वापस लौटा दिया। इस पर देवी सिंह ने कहा कि वे अपना नामांकन पूर्ण कर गुरुवार को दाखिल करेंगे। देवीसिंह समर्थकों के साथ नामांकन करने पहुंचे थे। इस दौरान समर्थकों ने उन्हें माला पहनाई तथा ढोल नगाड़े बजाए। बता दें कि देवी सिंह ने निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा की थी। उन्होंने बताया कि सामान्य वर्ग की उपेक्षा कर एसटी के व्यक्ति को टिकट दिया गया है। इसके विरोध में वे चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा की गलत नीतियों से सामान्य वर्ग को दरकिनार किया है।

रामगढ़ उपचनाव का लेकर प्रशासन अलर्ट, हरियाणा बॉर्डर पर लगाए जाएंगे चेकपोस्ट

अलवर। अलवर में रामगढ़ उपचुनाव को लेकर पुलिस पूरी तरह से तैयार है। हरियाणा बॉर्डर पर चेकपोस्ट लगाए जाएंगे, ताकि कोई अवांछित तत्व आकर चुनाव को प्रभावित न कर सके। अलवर मिनी सचिवालय में पुलिस महानिरीक्षक ने चुनाव की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए जिला स्तरीय पुलिस अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की, जिसमें कई दिशा-निर्देश दिए गए। मीडिया से बातचीत में बताया गया कि रामगढ़ विधानसभा उपचुनाव को लेकर सभी विभाग अपने स्तर पर पूरी तैयारी में लगे हुए हैं। जिला पुलिस प्रशासन की ओर से भी चाक-चौबंद इंतजाम किए गए हैं। बैठक में चुनाव को लेकर चर्चा की गई, जिसमें चुनाव को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष कराने के लिए सभी को निर्देशित किया गया। इसमें विशेष ध्यान रखा जाएगा कि कोई भी ताकत चुनाव पर प्रभाव न डाल सके, चाहे वह बाहुबल हो या पैसों की ताकत। सभी जगह पुलिस द्वारा कड़ी निगरानी रखी जाएगी।

रीट पेपर लीक मामला : पकड़ी गई मुख्य सूत्रधार भंवरी-संगीता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। रीट परीक्षा 2021 के घोटाले की 2 मुख्य सूत्रधार पचास हजार की ईनामी पकड़ी गई। साईक्लोनर टीम ने ऑपरेशन बैच वार्मर्स चलाकर दोनों आरोपियों को नाटकीय तरीके से किया गिरफ्तार। विकास कुमार, महानिरीक्षक पुलिस, जोधपुर रेंज, जोधपुर ने बताया कि प्रतियोगिता परीक्षा वांछित मुलजिमा भंवरी व संगीता दोनों रेन्ज स्तरीय साईक्लोनर टीम की रणनिति के आगे धाराशायी हो गई। आरोपी भंवरी पत्नी हेमारा को महाराष्ट्र के पुणे के वेटल इलाके से आरोपी संगीता पुत्री सुखराम को और सांचौर से जोधपुर रेंज की सीमा पर साईक्लोनर टीम ने किया गिरफ्तार। पुलिस महानिरीक्षक विकास कुमार ने बताया कि दोनों

आरोपियों की गिरफ्तारी पर 25-25 हजार रूपये का ईनाम घोषित था तथा दोनों लगभग तीन साल से फरार चल रही थी।

रीट परीक्षा 2021 में धाँधली की मुख्य सुत्रधार होने के कारण इन्हें गिरफ्तार किया गया है। इस घोटाले के सूत्रधारों की कडी बहुचर्चित उपनिरीक्षक परीक्षा भर्ती घोटाले में भी जुड़े रहे है। वृन्दावन में पूजारिन बनने का स्वांग रचकर फरारी काट रही छम्मी विश्नोई भी इस प्रकरण की मुख्य सूत्रधार रही है। साइक्लोनर टीम ने लगभग तीन महीने पहले ही 75 हजार की ईनामी छम्मी विश्नोई को वृन्दावन से गिरफ्तार किया था।

राजस्थान में कृत्रिम गर्भाधान से गोडावण के बच्चा पैदा कर रचा इतिहास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। तेजी से लुप्त हो रहा राजस्थान का राज्य पक्षी गोडावण (ग्रेट इंडियन बस्टर्ड) को बचाने और उसका कुनबा बढ़ाने के लिए वैज्ञानिकों का कृत्रिम गर्भाधान (आर्टिफिशियल इनसेमिनेशन) से गोडावण के बच्चा पैदा करने का प्रयास सफल रहा है और इससे भारत दुनिया का ऐसा करने वाला पहला देश बन गया है। राष्ट्रीय मरु उद्यान के उप वन संरक्षक (वन्य) आशीष व्यास ने बताया कि भारतीय वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 की अनुसूची प्रथम में शामिल गोडावण की संख्या बढ़ाने के लिए जैसलमेर के पास ग्रेट इंडियन बस्टर्ड प्रजनन केंद्र ने यह इतिहास रचा जहां पहली बार कृत्रिम गर्भाधान से गोडावण के चूजे का जन्म हुआ है।

इस पर राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने खुशी जताते हुए इस सुखद एवं गौरवपूर्ण समाचार बताया। शर्मा ने कहा कहा कि राजस्थान के जैसलमेर में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल हुई है। लगातार विलुप्ति की ओर बढ़ती गोडावण प्रजाति के संरक्षण में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है, जहां कृत्रिम गर्भाधान की नवीन तकनीक द्वारा एक स्वस्थ चूजे का जन्म हुआ है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान के राज्य पक्षी गोडावण की विलुप्ति को रोकने एवं इसकी संख्या में वृद्धि करने के महत्वपूर्ण उद्देश्य से संचालित बस्टर्ड संरक्षण एवं पुनर्वास कार्यक्रम के तहत जैसलमेर स्थित कृत्रिम प्रजनन केंद्र में यह उल्लेखनीय सफलता प्राप्त हुई है। यह अभूतपूर्व उपलब्धि गोडावण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने इस अभिनव प्रोजेक्ट से जुड़े समस्त वैज्ञानिकों, वन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनके अथक एवं सराहनीय प्रयासों के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी। व्यास ने बताया कि अब जैसलमेर के ग्रेट इंडियन बस्टर्ड प्रजनन केंद्र में गत 24 सितंबर को मादा ग्रेट इंडियन बस्टर्ड ने अंडा दिया और अब इस अंडे से उसका चूजा निकल आया है और वह पूरी तरह स्वस्थ है। उन्होंने कहा कि यह प्रयास गोडावण के कुनबे

को बढ़ाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा और इससे अब गोडावण संरक्षण के प्रयासों को पंख लग जाएंगे। उन्होंने बताया कि इस तरह का यह पहला मामला है, जब गोडावण को कृत्रिम गर्भाधान की मदद से प्रजनन करवाकर पैदा किया गया है। इस तरह से अब गोडावण के शुक्राणु को सेव कर बैंक बनाने और उसकी जनसंख्या बढ़ाने में मदद मिल सकेगी। उन्होंने बताया कि यह गोडावण पर किया गया पहला परीक्षण है। इस पद्धति में मेल गोडावण के सामने एक आर्टिफिशियल फीमेल बनाकर रखी जाती है। फिर उसे मेटिंग के लिए ट्रेनिंग दी जाती है ताकि वह शुक्राणु दे सके, वो भी बिना मेटिंग के। इस तरह मेल को ट्रेनिंग देने में करीब आठ महीने लगे। अब चूजा बड़ा होने के बाद इसका नामकरण भी एआई (आर्टिफिशियल इनसेमिनेशन) के नाम से करने की योजना है।

वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के वैज्ञानिक एवं ब्रीडिंग सेंटर के प्रभारी डॉ सुतीरथो दत्ता ने बताया कि वैज्ञानिकों ने इंटरनेशनल फंड होउबारा बस्टर्ड अबू धाबी से प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद जैसलमेर के रामदेवरा के प्रजनन केंद्र में पाले गए सुदा नामक नर गोडावण से शुक्राणु एकत्रित किए गए। जिसके बाद 24 सितंबर को वैज्ञानिकों ने कृत्रिम गर्भाधान के जरिए सम के प्रजनन केंद्र में पाली गई मादा गोडावण टोनी में सुदा के शुक्राणु का इंजेक्शन देकर कृत्रिम गर्भधारण कराया गया और बाद में मादा ने अंडा दिया। यह पहला प्रयास सफल रहा और अब अंडे से चूजा निकल आया है, जो स्वस्थ है। उन्होंने बताया कि पहले गोडावण के अंडों को फील्ड से उठाकर सुदासरी के गोडावण ब्रीडिंग सेंटर में रखा जाता था और कृत्रिम रूप से अंडों से चूजे बाहर निकाले जाते थे। भारत और राज्य सरकार के महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट 'बस्टर्ड रिकवरी प्रोग्राम' के तहत यह बड़ी सफलता हासिल हुई है।

डा दत्ता ने बताया कि वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के लगातार किए जा रहे प्रयासों में यह बड़ी उपलब्धि है जो दूसरी जेनरेशन के गोडावण की आर्टिफिशियल हैचिंग से बहुत बड़ी सफलता मिली है। अब लुप्त हो रहे इस वन्यजीव प्राणी को कृत्रिम तरीके से पैदा किया जा सकेगा।

व्यास ने बताया कि जैसलमेर में गोडावण की संख्या 173 है। जिसमें से 128 गोडावण तो जंगल में घूम रहे हैं वहीं 45 गोडावण ब्रीडिंग सेंटर में है। वर्ष 2018 में भारतीय वन्यजीव संस्थान ने केंद्र एवं राजस्थान सरकार और वन विभाग के सहयोग से राज्य में विलुप्त हो रहे इस राज्य पक्षी को बचाने और इसकी संख्या बढ़ाने के लिए बस्टर्ड रिकवरी प्रोग्राम चलाया था।

अगले साल मार्च तक 32 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच जाएगा उप्र का जीडीपी : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि प्रदेश का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) मार्च, 2025 तक 32 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच जाएगा। उन्होंने यह बात बुधवार को एक प्रमुख समाचार पत्र द्वारा एक होटल में आयोजित 'समृद्धि' गोलमेज सम्मेलन के दौरान कही। उन्होंने इस कार्यक्रम में राज्य की आर्थिक उपलब्धियों, सुरक्षा व्यवस्था, औद्योगिक विकास और माफिया के खिलाफ की गई सख्त कार्रवाई पर विस्तार से चर्चा की।

एक बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले की सरकारें वन डिस्ट्रिक्ट, वन माफिया की नीति अपनाती थीं, जबकि हमने वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट... एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) के माध्यम से उत्तर प्रदेश की ब्रांडिंग की। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों के समय राज्य का सकल घरेलू उत्पाद 12 लाख करोड़ रुपए था, लेकिन उनकी सरकार के प्रयासों से 2023-24 में यह आंकड़ा 26 लाख करोड़ तक पहुंच चुका है और अब 32 लाख करोड़ का लक्ष्य तय किया गया है। योगी ने राज्य में माफिया के खिलाफ की गई कड़ी कार्रवाई पर जोर देते हुए कहा कि उनकी सरकार ने अपराधियों और माफिया को कतई बर्दाश्त नहीं किया है। उन्होंने बताया कि राज्य में एंटी भूमाफिया टास्क फोर्स का गठन किया गया है, जिसके तहत 64 हजार एकड़ भूमि माफियाओं से मुक्त कराई गई है। पहले की सरकारें माफिया की मदद करती थीं, लेकिन अब उनकी सुरक्षा हटाकर राज्य को माफिया मुक्त बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में निवेश और औद्योगिक विकास पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि 2017 में जब उनकी सरकार सत्ता में आई थी, तब निवेश की स्थिति बेहद खराब थी। लेकिन अब उत्तर प्रदेश में निवेश के नए आयाम स्थापित हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि उनकी सरकार ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन किया, जिसके परिणामस्वरूप राज्य को 40 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। योगी आदित्यनाथ ने बताया कि पहले हमारे अधिकारियों को 20 हजार करोड़ रुपए का निवेश लाना भी बड़ी बात लगती थी, लेकिन आज हम 40 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त कर चुके हैं, जिससे डेढ़ करोड़ युवाओं को रोजगार मिलेगा। सुरक्षा व्यवस्था पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने पुलिस बल में बड़े सुधार किए हैं। उन्होंने बताया कि 1.54 लाख पुलिस कर्मियों की भर्ती की गई है और पुलिस को अत्याधुनिक तकनीकों से लैस किया गया है।

'भाजपा सत्ता में आई तो हुसैनाबाद को जिला बनाया जाएगा, राम या कृष्ण के नाम पर होगा नामकरण'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेदिनीनगर (झारखंड)/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कहा कि झारखंड में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनने पर हुसैनाबाद अनुमंडल को जिला बनाया जाएगा और इसका नामकरण भगवान राम या कृष्ण के नाम पर होगा।

भाजपा के झारखंड चुनाव सह-प्रभारी शर्मा ने यह भी कहा कि राज्य से घुसपैठियों को बाहर निकालना पार्टी की प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा, ''अगर राज्य में भाजपा की सरकार बनती है तो हुसैनाबाद का जिला बनना तय है। इसका नाम भगवान राम या कृष्ण के नाम पर रखा जाएगा।'' असम के मुख्यमंत्री पलामू जिला स्थित जपला के कर्पूरी मैदान में हुसैनाबाद विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार कमलेश सिंह के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे। सिंह, झारखंड में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के एकमात्र विधायक थे और वह चार अक्टूबर को भाजपा में शामिल हो गए। शर्मा ने रैली में आरोप लगाया कि बांग्लादेशी घुसपैठियों के कारण झारखंड की जनसांख्यिकी बदल रही है लेकिन सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) इस मुद्दे पर चुप है क्योंकि वे उसका वोट बैंक हैं। उन्होंने कहा, ''घुसपैठियों को बाहर निकालना भाजपा की प्राथमिकता है। हम झारखंड से बांग्लादेशी घुसपैठियों को बाहर निकालने के लिए राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) लागू करेंगे।'' शर्मा ने दावा किया कि झारखंड के संथाल परगना क्षेत्र में हिंदुओं की आबादी घट रही है, जबकि बांग्लादेशी घुसपैठियों की आबादी बढ़ रही है।

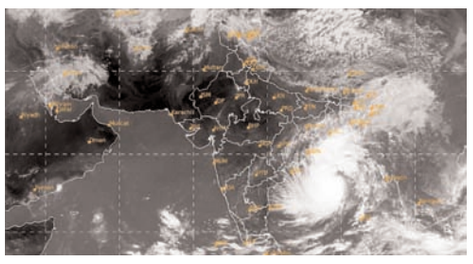

चक्रवात 'दाना': ओडिशा में 14 जिलों के 10 लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाएगा

भुवनेश्वर/भाषा। चक्रवात 'दाना' ओडिशा तट की ओर बढ़ रहा है, जिससे राज्य की लगभग आधी आबादी प्रभावित होने का खतरा है। सरकार 14 जिलों के लगभग 10 लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए बड़े पैमाने पर योजना को अंजाम देने की तैयारी कर रही है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बुधवार को कहा कि चक्रवात के शुक्रवार तड़के लगभग 70 किलोमीटर दूर भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान और धामरा बंदरगाह के बीच पहुंचने का अनुमान है। आईएमडी ने कहा कि चक्रवात के दस्तक देने की प्रक्रिया 24 अक्टूबर की रात से शुरू होगी और 25 अक्टूबर की सुबह तक जारी रहेगी। आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने कहा कि चक्रवात के दस्तक देने के दौरान अधिकतम गति लगभग 120 किलोमीटर प्रति घंटा रहने की संभावना है। उन्होंने कहा कि चक्रवात की दस्तक प्रक्रिया धीमी होती है, जिसमें आमतौर पर 5-6 घंटे लगते हैं। उन्होंने कहा, इसलिए, 24 अक्टूबर की रात से 25 अक्टूबर की सुबह के बीच चक्रवात के दस्तक देते समय भारी बारिश, हवा और तूफानी लहरें चरम पर होंगी।

मिर्जापुर में भूमि विवाद को लेकर हिंसक झड़प, एक व्यक्ति की मौत, छह घायल

मिर्जापुर/भाषा। उत्तर प्रदेश में मिर्जापुर जिले के चुनार क्षेत्र में जमीन के एक पुराने विवाद को लेकर दो समूहों के बीच हिंसक झड़प होने से एक व्यक्ति की मौत हो गई तथा छह अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि इस घटना के सिलसिले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक ओ पी सिंह ने बुधवार को बताया कि मंगलवार को कुछ व्यक्तियों के बीच झगड़े की सूचना मिलने पर पुलिस धवहा गांव पहुंची और उसने घायलों को चुनार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया जहां इलाज के दौरान 70 वर्षीय रामचंद्र नामक व्यक्ति की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए ले गयी है और पीड़ित परिवार की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। सिंह ने कहा कि इस घटना में नामजद पांच आरोपियों को पूछताछ के लिए गिरफ्तार कर लिया गया है।

हिरासत में लिया गया थूक लगाकर रोटी बनाने का आरोपी

बाराबंकी/भाषा। उत्तर प्रदेश में बाराबंकी जिले के सुढ़ियामऊ कस्बे में थूक लगाकर रोटी बनाने के आरोप में एक होटलकर्मी को हिरासत में लेकर होटल को बंद करा दिया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। अपर पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा ने बुधवार को यहां बताया कि राम नगर थानाक्षेत्र के सुढ़ियामऊ कस्बे में एक होटल का वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें एक व्यक्ति कथित रूप से थूक लगाकर रोटी बनाते हुए दिख रहा है। उन्होंने कहा कि इस वीडियो के आधार पर पुलिस ने इरशाद नामक इस व्यक्ति को मंगलवार को हिरासत में ले लिया है। सिन्हा ने बताया कि पुलिस ने उस होटल को भी बंद करा दिया है तथा रोटियों को जब्त कर जांच के लिए भेज दिया है। उन्होंने कहा कि जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे उनके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। हाल के दिनों में उत्तर प्रदेश के सहारनपुर और बागपत समेत कई जिलों में भी ऐसी घटनाएं सामने आयी हैं।

कृष्ण जन्मभूमि मामले में आदेश वापस लेने की अर्जी खारिज

प्रयागराज/भाषा। मथुरा स्थित कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मामले में 11 जनवरी, 2024 के आदेश को वापस लेने की मुस्लिम पक्ष की अर्जी इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने बुधवार को खारिज कर दी। उच्च न्यायालय ने 11 जनवरी, 2024 के अपने निर्णय में हिंदू पक्षों द्वारा दायर सभी मुकदमों को एकसाथ कर दिया था। मुस्लिम पक्ष की तरफ से पेश हुईं उच्चतम न्यायालय की अधिवक्ता तसनीम अहमदी ने दलील दी थी कि सभी मामलों को एकसाथ किये जाने से वे सभी मामलों का विरोध करने के अधिकार से वंचित हो जाएंगे। उन्होंने यह दलील भी दी थी कि यह समयपूर्व अवस्था है तथा मुद्दे तय किए जाने और साक्ष्य एकत्र किए जाने से पूर्व मुकदमों को एकसाथ नहीं किया जाना चाहिए। मुस्लिम पक्ष के इस आवेदन का विरोध करते हुए हिंदू पक्ष की तरफ से दलील दी गई थी कि अदालत ने विचार कर लिया कि राहत समान है, संपत्ति समान है और प्रतिवादी समान हैं तो इन मुकदमों को एकसाथ करना अदालत के अधिकार क्षेत्र में है एवं किसी भी पक्ष को इसे चुनौती देने का अधिकार नहीं है।

चीन के साथ समझौते को लेकर देश को विश्वास में ले सरकार: कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गश्त को लेकर चीन के साथ एक समझौता होने की घोषणा का हवाला देते हुए बुधवार को कहा कि इस विषय पर सरकार को देश को विश्वास में लेना चाहिए।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी सरकार के दृष्टिकोण के कारण इस मामले के समाधान में अवरोध पैदा हुआ।

भारत ने सोमवार को घोषणा की थी कि भारतीय और चीनी वार्ताकार पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गश्त के लिए एक समझौते पर सहमत हुए हैं।

रमेश ने एक बयान में कहा, ''मोदी सरकार की इस घोषणा को लेकर कई सवाल बने हुए हैं कि एलएसी पर गश्ती की व्यवस्था को लेकर चीन के साथ समझौता हो गया है। विदेश सचिव ने कहा है कि इस समझौते से सैनिकों की वापसी हो रही है और इन क्षेत्रों में 2020 में पैदा हुए गतिरोध का अंततः समाधान हो रहा है।'' उन्होंने कहा, ''हम आशा करते हैं कि दशकों में भारत की विदेश नीति को लगे इस झटके का सम्मानजनक ढंग से हल निकाला जा रहा है। हम उम्मीद करते हैं कि सैनिकों की वापसी से पहले वही स्थिति बहाल होगी, जैसी मार्च 2020 में थी।''

कृत्रिम मेधा से नई नौकरियों का सृजन होगा, पर कई खत्म भी होंगी : संजीव सान्याल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य (ईएसीपीएम) संजीव सान्यालय ने बुधवार को कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) से नई नौकरियों का सृजन होगा और कई पुरानी खत्म भी होंगी। यह इस बात पर निर्भर करता है कि इसे कैसे अपनाया जाता है।

उद्योग मंडल भारत चैंबर ऑफ कॉमर्स के एक कार्यक्रम सान्याल ने दावा किया कि कृत्रिम मेधा अत्यधिक कुशल लोगों को प्रभावित करेगा और मध्यस्थ के कार्य समाप्त हो जाएंगे। सान्याल ने कहा, ''एआई को लेकर बहुत चर्चा है। बहुत कुछ इस पर निर्भर करेगा कि हम इसे कैसे अपनाते हैं। सरकार और जनता के बीच इसपर बहस चल रही है। यह भी सच है कि अगर हम इसे नहीं अपनाएंगे तो पीछे रह जाएंगे।'' उन्होंने दावा किया कि उच्च कौशल वाले क्षेत्रों में मौजूदा लोगों की भूमिका समाप्त हो जाएगी जबकि नौकरियां समाप्त होंगी और सृजित भी होंगी। अर्थशास्त्री ने कहा, ''एक क्षेत्र है, जहां एआई निश्चित रूप से प्रभाव डालेगा और वह शिक्षा है।'' सान्याल ने उदाहरण देते हुए कहा कि लोग वीडियो-प्रसारित करने वाली वेबसाइट पर व्याख्यान सुनेंगे और सवाल-जवाब के लिए एआई चैटबॉट का उपयोग करेंगे। उन्होंने कहा, ''इसका मतलब है कि छात्रों को कुछ आपसी सहयोग से जुड़े कार्यों को छोड़कर कॉलेज जाने की आवश्यकता नहीं होगी। स्नातक शिक्षा पूरी तरह से मुफ्त हो सकती है।'' सान्याल ने कहा कि इसके जरिये पाठ्यक्रम को निर्बाध रूप से अद्यतन किया जा सकता है।

भारत में ऑस्ट्रेलियाई विश्वविद्यालयों के परिसर की स्थापना सिर्फ शुरुआत: प्रधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बुधवार को कहा कि भारत में ऑस्ट्रेलियाई विश्वविद्यालय के कई परिसर की स्थापना सिर्फ शुरुआत है और दोनों देश अब ज्ञान में संवर्धन कर सकते हैं और छात्रों के लिए नवाचार और उद्यमिता के अनंत अवसर पैदा कर सकते हैं।

प्रधान का यह बयान मेलबर्न में ऑस्ट्रेलियाई अंतरराष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन के दौरान आया। मंत्री ने कहा, भारत में ऑस्ट्रेलियाई विश्वविद्यालय के कई परिसर की स्थापना केवल शुरुआत है और इसमें बहुत कुछ हासिल करने की संभावनाएं हैं। दोनों देश मिलकर ज्ञान में संवर्धन कर सकते हैं,वैश्विक चुनौतियों से निपटने में प्रौद्योगिकी का लाभ उठा सकते हैं तथा छात्रों के लिए नवाचार और उद्यमिता के अनंत अवसरों का सृजन कर सकते हैं। मंत्री ने कहा कि 'विश्व-बंधु' के रूप में भारत मानव-केंद्रित विकास में एक विश्वसनीय भागीदार बनने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य वैश्विक नागरिकों का निर्माण और पोषण करना है जो अगली पीढ़ी के लिए एक उज्ज्वल भविष्य में योगदान दे सकें। प्रधान ने ऑस्ट्रेलिया के शिक्षा मंत्री जेसन क्लेयर के साथ द्विपक्षीय बैठक भी की। क्लेयर ने अपने भाषण में एक बेहतर शिक्षा प्रणाली के महत्व पर जोर दिया जो सिर्फ जीवन ही नहीं बदल सकती, बल्कि राष्ट्रों को भी बदल सकती है।

भारत की शिक्षा प्रणालियों की सराहना करते हुए क्लेयर ने कहा कि 2035 तक दुनिया भर में विश्वविद्यालय से डिग्री प्राप्त करने वाले चार में से एक व्यक्ति को डिग्री भारत से मिलेगी। दोनों मंत्रियों ने प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल, शिक्षकों की क्षमता निर्माण तथा 'स्कूल टूर्निंग' पहल की संभावनाओं में भारत और ऑस्ट्रेलिया की साझा प्राथमिकताओं पर चर्चा की। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है, भारतीय और ऑस्ट्रेलियाई उच्च शिक्षा संस्थानों के बीच मजबूत संस्थागत संबंधों के आधार पर, वे (दोनों मंत्री) महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों में साझेदारी को और मजबूत करने पर सहमत हुए। उन्होंने भारत में ऑस्ट्रेलियाई विश्वविद्यालयों के परिसर की स्थापना की संभावना भी तलाशी।

प्रधान ने साउथ मेलबर्न प्राइमरी स्कूल का भी दौरा किया और युवा विद्यार्थियों से बातचीत की। उन्होंने प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा के लिए स्कूल के अभिनव दृष्टिकोण पर भी ध्यान दिया।

पेनल्टी कॉर्नर बना कमजोर कड़ी, युवा जर्मन टीम से हारी भारतीय हॉकी टीम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आठ पेनल्टी कॉर्नर और एक पेनल्टी स्ट्रोक मिलने के बावजूद गोल नहीं कर सकी भारतीय हॉकी टीम को दिल्ली में एक दशक बाद हो रहे अंतरराष्ट्रीय हॉकी मैच में जर्मनी की युवा टीम ने बुधवार को 2 . 0 से हरा दिया ।

मेजर ध्यानचंद स्टेडियम पर 11 साल बाद हो रहे इस मुकाबले में जर्मनी का पलड़ा पहले से आखिरी मिनट तक भारी रहा जिसने भारतीय टीम को पूरे समय दबाव में रखा । पेरिस ओलंपिक में दस गोल करने वाले कप्तान हरमनप्रीत सिंह सीनियर स्तर पर इस मैदान पर अपने पहले मैच में पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल नहीं कर सके जबकि सर्कल के भीतर स्ट्राइकर किसी मूव को अंजाम तक नहीं पहुंचा पाये ।

जर्मनी के लिए हेनरिक मर्टजेंस (तीसरा मिनट) और कप्तान लुकास विंडफेडर (30वां) ने गोल दागे । जर्मन गोलकीपर जोशुआ एन ओंयेकवू ने भारत के हर वार को नाकाम किया और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ ड्रैग फ्लिकरों में शुमार हरमनप्रीत को भी खामोश रखा। दिल्ली में बरसों बाद मैच देखने के लिए सप्ताह के बीच और दिन में खेल होने के बावजूद मैदान पर जमा छह से सात हजार दर्शकों को भारत के प्रदर्शन से निराशा हाथ लगी । विश्व कप और राष्ट्रमंडल खेल 2010 के अलावा एशियाई खेल 1982 के कई शानदार मुकाबलों के गवाह रहे इस स्टेडियम पर यह बिल्कुल ही एकतरफा मैच था। आधे से ज्यादा युवा खिलाड़ियों के साथ आई जर्मन टीम ने तीसरे ही मिनट में हेनरिक मर्टजेंस के गोल के दम पर बढत बना ली । इसके चार मिनट बाद जर्मनी को पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन भारत के रेफरल पर उसे खारिज कर दिया गया । भारत को आठवें मिनट में मैच का पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन सुखजीत सिंह गोल करने में नाकाम रहे । पहले क्वार्टर में जर्मनी ने एक गोल से बढत बना ली थी।

मणिपुर: इंफाल पूर्व में छह उग्रवादी गिरफ्तार, चुराचांदपुर में हथियार बरामद

इंफाल/भाषा। मणिपुर पुलिस ने प्रतिबंधित संगठन कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (पीपुल्स वार ग्रुप) के छह उग्रवादियों को इंफाल पूर्व जिले से गिरफ्तार किया। एक आधिकारिक बयान में बुधवार को यह जानकारी दी गई। पुलिस के अनुसार ये उग्रवादी अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त और जबरन वसूली में लिप्त थे। अधिकारियों ने उनके कब्जे से चार पहिया वाहन, दो दोपहिया वाहन, छह मोबाइल फोन और कुल 3,88,950 रुपए बरामद किए। एक अलग अभियान में, चुराचांदपुर जिले में तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने दो देसी पिस्तौल, दो इलेक्ट्रिक डेटोनेटर, गोलियां, एक पिस्तौल और तीन हथगोले बरामद किए।

भारत एक मजबूत टीम, जो किसी के सामने झुकना नहीं चाहती : ब्रेट ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिडनी/भाषा। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने भारतीय टीम को एक ऐसी 'मजबूत टीम' बताया है जो किसी के सामने झुकना नहीं चाहती। उन्होंने साथ ही अपने हमवतन खिलाड़ियों को आगाह किया जो आगामी पांच मैचों की टेस्ट शृंखला में टीम इंडिया से भिड़ेंगे। बेंगलूरु में पहले टेस्ट में न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत की आठ विकेट की हार के बाद ली की यह प्रतिक्रिया आई है।

भारत की नजरें लगातार तीसरी बार विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई करने पर टिकी हैं और टीम बोर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में अपने खिताब की रक्षा के लिए अगले महीने ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी। ली ने 'फॉक्स क्रिकेट' से कहा, ''आज के दिन और पीढ़ी में भारत शक्तिशाली टीम है जो किसी के सामने झुकना नहीं चाहती। उन्हें पता है कि कैसे जीत दर्ज करनी है और उन्हें पता है कि वे ऑस्ट्रेलिया को कैसे हरा सकते हैं। उन्हें पता है कि वे किसी भी दिन किसी भी टीम को हरा सकते हैं। ''

बेंगलूरु टेस्ट में न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत के प्रदर्शन पर ली ने कहा कि उन्हें लगता है कि वे शायद 'बैजबॉल' (बेहद आक्रामक होकर खेलने की रणनीति) से प्रभावित हो गए थे जिसके कारण कुछ खराब शॉट खेले। ली ने कहा, ''भारत रक्षात्मक होकर नहीं खेलना चाहता। शायद बैजबॉल दुनिया भर के अन्य क्रिकेटरों को भी प्रभावित कर रहा है।'' उन्हेंने कहा, ''मुझे लगता है कि भारत जिस तरह खेला उस पर उन्हें गर्व नहीं होगा। उन्होंने कुछ बेहद ढीले शॉट खेले।''

आसमान में छाए बादलों के बीच पहले बल्लेबाजी करने का भारत का फैसला टीम पर भारी पड़ा जो पहली पारी में सिर्फ 46 रन पर ढेर हो गई। यह घरेलू सरजमीं पर एक पारी में टीम का सबसे कम स्कोर है। ली ने कहा कि टीम को 'जोखिम कारक पर विचार करने' की आवश्यकता है और भारतीयों को परिस्थितियों का बेहतर आकलन करना चाहिए था। उन्होंने कहा, ''आपको जोखिम कारक पर भी विचार करना होगा। कई बार ऐसा होता है जब आपको सोचना पड़ता है, 'ठीक है, शायद आज बड़े शॉट काम नहीं कर रहे हैं'। ली ने कहा, ''बस थोड़ा सा संयम रखें। मुझे नहीं लगता कि उन्होंने परिस्थितियों का उतनी जल्दी आकलन किया जितना उन्हें करना चाहिए था।'' ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रवाना होने से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ भारतीय टीम पुणे (24-28 अक्टूबर) और मुंबई (एक से पांच नवंबर) में दो टेस्ट मैच और खेलेगी।

'हमारा फोकस प्रयोग पर था पर प्रदर्शन बेहतर हो सकता था'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जर्मनी की युवा टीम के हाथों पहले टेस्ट में 2 . 0 से पराजय के बाद भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत ने स्वीकार किया कि प्रदर्शन बेहतर हो सकता था लेकिन यह भी कहा कि प्रो लीग मुख्य लक्ष्य होने के कारण फोकस प्रयोगों पर है जो जारी रहेंगे ।

अंडर 21 विश्व चैम्पियन खिलाड़ियों से भरी जर्मनी की युवा टीम ने भारत को पहले टेस्ट में आठ पेनल्टी कॉर्नर और एक पेनल्टी स्ट्रोक पर एक भी गोल नहीं करने दिया और 2 . 0 से जीत दर्ज की । मैच के बाद कप्तान हरमनप्रीत ने कहा ,'' हम हर मैच जीतना चाहते हैं लेकिन हमारे पास प्रयोग करने के लिए यही एक मौका है चूंकि हमारा मुख्य लक्ष्य प्रो लीग है । प्रो लीग में अच्छा खेलने से हम सीधे विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर सकते हैं ।'' उन्होंने कहा ,''यह अच्छी बात है कि हमें जर्मनी जैसी मजबूत टीम के साथ खेलने का मौका मिल रहा है ।हमारी टीम में कुछ युवा खिलाड़ी हैं और कुछ ने वापसी की है । उनके लिए यह अच्छा अवसर है क्योंकि मजबूत टीम के खिलाफ जितना खेलेंगे, उतना ही लय में आयेंगे और सीखेंगे ।'' यह पूछने पर कि दिन में मैच होने से प्रदर्शन पर असर तो नहीं पड़ा, हरमनप्रीत ने ना में जवाब दिया । उन्होंने कहा ,'' दिन में मैच होने से कोई फर्क नहीं पड़ा क्योंकि हमें इसकी आदत है । लेकिन पहली बार यहां पर खेल रहे थे और हमने एक ही अभ्यास सत्र खेला । वैसे यह कोई बहाना नहीं है क्योंकि दोनों टीमों के लिए समान हालात थे ।'' उन्होंने कहा कि पेनल्टी कॉर्नर और फील्ड गोल करने पर टीम को ध्यान देना होगा लेकिन दूसरे मैच में भी प्रयोग जारी रहेंगे । पेरिस ओलंपिक में दस गोल करने वाले ड्रैग फ्लिकर ने कहा ,''हम इससे बेहतर कर सकते थे । पेनल्टी कॉर्नर और आक्रमण में सुधार करना होगा । जर्मनी के गोलकीपर की भी तारीफ करनी होगी जिसने कई गोल बचाये ।''

सुविचार

बारिश का पानी ऊंचाई पर नहीं टिकता है और जहां ढलान होती है वहां से बहकर चला जाता है। ठीक उसी प्रकार से ज्ञान होने के अहंकार से अपने आपको ऊंचा समझने वाले व्यक्ति के पास वह नहीं ठहरता है। इसलिए ज्ञान का अभिमान नहीं करना चाहिए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

वायु गुणवत्ता सुधारें

दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण के बीच केजरीवाल सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदम 'आग लगने पर कुआं खोदने' जैसे हैं। वायु गुणवत्ता सुधारने के लिए जो प्रयास किए जा सकते हैं, वे जरूर करने चाहिएं, लेकिन उनका फायदा उसी सूरत में मिलता है, जब वे 'सही समय' पर किए जाएं। अब दिल्ली सरकार प्रदूषण के स्तर पर काबू पाने के लिए कई 'उपाय' कर रही है। इनमें मेट्रो ट्रेनों के अतिरिक्त फेरे लगवाने, सड़कों पर धूल नियंत्रित करने के लिए एमसीडी के 6,000 से ज्यादा कर्मचारियों की तैनाती करने, पार्किंग शुल्क दोगुना करने और भीड़ वाले इलाकों में 1,800 से ज्यादा यातायात कर्मियों की तैनाती करने जैसे उपाय शामिल हैं। यही नहीं, कोयले और लकड़ी के साथ डीजल जनरेटर के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाया गया है। उत्तर प्रदेश और हरियाणा जैसे पड़ोसी राज्यों को पत्र लिखकर कहा जा रहा है कि दिल्ली में डीजल बसें न भेजें। पटाखों पर तो प्रतिबंध पहले ही लगा दिया गया है। क्या ही अच्छा होता, अगर दिल्ली सरकार ऐसे कई सुधारों को लागू करने के लिए कुछ साल पहले कदम उठा लेती! राष्ट्रीय राजधानी में हर साल इस समय कमोबेश ऐसे ही हालात होते हैं। तब सरकार अचानक सक्रिय हो जाती है। टीवी चैनलों पर होने वाली बहसों में आरोप-प्रत्यारोप के दौर चलने लगते हैं। कुछ दिन वायु प्रदूषण का मुद्दा खूब सुर्खियां बटोरता है। उसके बाद हालात 'ढाक के तीन पात' जैसे हो जाते हैं। इस साल तो गर्मियां भी बहुत ज्यादा तकलीफदेह रहीं। राष्ट्रीय राजधानी के कई इलाकों में पानी के लिए हाहाकार मचा रहा, वहीं सूर्यदेव ने भी खूब रौद्र रूप दिखाया था। उस दौरान सोशल मीडिया पर कई लोगों ने अभियान चलाया था कि पर्यावरण की रक्षा करने के लिए एसी का इस्तेमाल कम करें और पौधे ज्यादा लगाएं। जैसे ही मानसून आया, वह अभियान 'बह' गया।

अब वायु प्रदूषण का शोर है। विभिन्न वॉट्सऐप समूहों में लोग चिंता जता रहे हैं। एक सर्वेक्षण में तो यह दावा किया गया है कि दिल्ली-एनसीआर में 36 प्रतिशत परिवारों में एक या एक से ज्यादा सदस्य प्रदूषण से संबंधित बीमारियों, जैसे- गले में खराश, खांसी और सांस लेने में समस्या से पीड़ित हैं। अगर वायु प्रदूषण की स्थिति अगले पांच वर्षों में भी नहीं सुधरी तो लोगों की सेहत का क्या होगा? ऐसा नहीं है कि वायु प्रदूषण सिर्फ दिल्ली और भारतीय महानगरों की बड़ी समस्या है। पड़ोसी देश पाकिस्तान का लाहौर तो दुनिया का सबसे ज्यादा प्रदूषित शहर घोषित हो चुका है, जहां वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 394 पर पहुंच गया है। पाकिस्तान की सरकारों ने भी वायु प्रदूषण को दूर करने संबंधी उपायों को गंभीरता से नहीं लिया था। अब हालात सबके सामने हैं। वायु प्रदूषण के कारण शहर गैस चैंबर बनते जा रहे हैं। अगर सरकारों ने अब भी सुध नहीं ली तो क्या एक दशक बाद ये शहर इन्सानों के रहने लायक बचेंगे? उसके बाद अगली मंजिल क्या होगी? जिन लोगों ने ज़िंदगीभर की कमाई से इन शहरों में आशियाने बना लिए, वे क्या करें? ऐसे कई परिवार हैं, जिनमें छोटे बच्चों और बुजुर्गों को सांस संबंधी बीमारियां हो रही हैं। डॉक्टर कहते हैं कि उन्हें (तुलनात्मक रूप से अधिक) साफ वातावरण में रहना चाहिए, लेकिन परिजन विवश हैं। पढ़ाई, कमाई ... सबकुछ उसी शहर से जुड़े हैं। ठौर-ठिकाना बदलना इतना आसान तो नहीं होता। अन्य राज्यों की सरकारों को दिल्ली के हालात से सीखना चाहिए। यही समय है, जब उन्हें वायु गुणवत्ता सुधारने के लिए बहुत गंभीरता से काम करने होंगे। सरकारों को चाहिए कि वे सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा दें, ज्यादा प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को चलन से बाहर करें, लकड़ी-कोयले की जगह स्वच्छ ईंधन के इस्तेमाल को प्रोत्साहित करें, जहां संभव हो, वर्क फ्रॉम होम लागू करें। साइकिल के उपयोग को प्राथमिकता में शामिल करें। नेतागण खुद को खास मौकों पर साइकिल चलाते हुए तस्वीर खिंचवाने तक सीमित न रखें। साइकिल चलाने वालों के सुरक्षित आवागमन के लिए रास्ते बनाए जाएं। ऐसे लोगों को 'पर्यावरण के रक्षक' घोषित कर उन्हें वेतन वृद्धि समेत अन्य सुविधाएं दी जाएं। आरोप-प्रत्यारोप से ऊपर उठकर ही पर्यावरण को निर्मल बनाया जा सकता है।

ट्वीटर टॉक

स्व. श्री भैरोंसिंह शेखावत का राजनीति और राजस्थान के विकास में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। शेखावाटी क्षेत्र से अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू कर, उन्होंने न केवल इस क्षेत्र को एक विशिष्ट पहचान दिलाई, बल्कि पूरे देश में अपने नेतृत्व और निष्ठा से एक अमिट छाप छोड़ी।

-गोविंद सिंह डोटासरा

धौलपुर से पूर्व विधायक व राजस्थान सरकार में पूर्व मंत्री श्री बनवारी लाल शर्मा जी के निधन का दुःखद समाचार प्राप्त हुआ। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें एवं शोक संतप्त परिजनों को इस कठिन समय में संबल प्रदान करें।

-दीया कुमारी

जयपुर-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुए भीषण सड़क हादसे में हुई जनहानि का समाचार अत्यंत दुःखद है। मेरी संवेदनाएं मृतकों के शोक-संतप्त परिवारजनों के साथ हैं। संबंधित अधिकारियों को घायलों के समुचित उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

राष्ट्रभक्ति का जुनून

जब डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार नागपुर के एक स्कूल में छात्र थे तो उनके स्कूल में हर दिन की शुरुआत ब्रिटिश सरकार द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार होती थी, जिसमें ब्रिटिश शासकों की प्रशंसा और वफादारी की शपथ दिलाई जाती थी। एक दिन जब प्रार्थना का समय आया और स्कूल के प्राचार्य ब्रिटिश राष्ट्रगान गाने का आदेश देने लगे, तो डॉ. हेडगेवार ने खड़े होकर विरोध जताया। उन्होंने कहा, 'हम भारतीय हैं और हमें अपने देश से प्रेम करना चाहिए, न कि विदेशी शासकों की सेवा करनी चाहिए। हमें अपने राष्ट्र के प्रति वफादार रहना चाहिए।' वहां मौजूद शिक्षक और छात्र चौंक गए। डॉ. हेडगेवार ने सभी छात्रों के सामने यह संदेश दिया कि ब्रिटिश शासन की वफादारी करने के बजाय हमें अपने देश की स्वतंत्रता के लिए काम करना चाहिए। इसके परिणामस्वरूप उन्हें स्कूल से निलंबित कर दिया गया। लेकिन यह घटना उनके जीवन में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुई। उन्होंने आगे चलकर देश की स्वतंत्रता के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया।

सामयिक

संतान की दीर्घायु की कामना का पर्व है अहोई अष्टमी

वर्तमान समय में भी माताओं द्वारा अपनी सन्तान की ईष्टकामना के लिए अहोई माता का व्रत रखा जाता है और सांयकाल अहोई मता की पूजा की जाती है तो निश्चित रूप से इसका शुभफल उनको मिलता ही है और सन्तान चाहे पुत्र हो या पुत्री उसको भी निष्कंटक जीवन का सुख मिलता है। अहोई व्रत के दिन प्रात उठकर स्नान करें और पूजा पाठ करके अपनी संतान की दीर्घायु एवं सुखमय जीवन हेतु कामना करते हुए मैं अहोई माता का व्रत कर रही हूं ऐसा संकल्प करें।

रमेश सर्राफ धमोरा

मोबाइल : 9414255034

अहोई अष्टमी का व्रत कार्तिक कृष्ण पक्ष की अष्टमी के दिन किया जाता है। विशेष तौर पर यह पर्व माताओं द्वारा अपनी सन्तान की लम्बी आयु व स्वास्थ्य कामना के लिए किया जाता है। पुत्रवती महिलाओं के लिए यह व्रत अत्यन्त महत्वपूर्ण है। जिन माता-पिता को अपने सन्तान की ओर से स्वास्थ्य व आयु की दृष्टि से चिंता बनी रहती हो। इस पर्व पर सन्तान की माता द्वारा समुचित व्रत व पूजा करने का विशेष लाभ प्राप्त होता है। सन्तान स्वस्थ होकर दीर्घायु को प्राप्त करती हैं।

जिन दम्पत्तियों के पुत्र नहीं बल्कि पुत्री सन्तान है वे भी अहोई माता की पूजा कर सकती हैं। सन्तान की कामना वाली महिलाएं भी यह व्रत रखकर अहोई माता से सन्तान प्राप्ति की प्रार्थना कर सकती हैं। लेकिन यह भी नियम है कि एक साल व्रत लेने के बाद आजीवन यह व्रत टूटना नहीं चाहिए। पहले धारणा थी कि सिर्फ सपूतों के लिए ही व्रत रखा जाता है। ऐसा नहीं है। आज के बदलते दौर में जब पुत्री भी माता पिता के लिए बराबर की मान्यता साकार करती हैं तो पुत्रियों के सुख सौभाग्य के लिए भी अहोई माता कृपालु होती हैं। अहोई अष्टमी का व्रत करवा चौथ के ठीक चार दिन बाद आता है। करवा चौथ पर महिलाएं पति की दीर्घायु की कामना के लिए व्रत करती हैं तो अहोई अष्टमी पर संतान की दीर्घायु के लिए निर्जला व्रत करती हैं। रात में तारों को अर्घ्य देने के बाद व्रत का पारण करती हैं और फिर जल ग्रहण करती हैं। यह व्रत अहोई मैय्या को समर्पित होता है। अहोई अष्टमी का पर्व दीपावली के आरम्भ होने की सूचना देता है।

कहा जाता है कि प्राचीन काल में एक साहूकार रहा करता था। साहूकार की पत्नी चंद्रिका बहुत गुणवती थी। साहूकार की बहुत सन्ताने थीं। वह अपने परिवार के साथ सुख से जीवन यापन कर रहा होता है। एक बार साहूकार की स्त्री घर की लीपा-पोती हेतु मिट्टी लेने खदान में जाती है और कुदाल से मिट्टी खोदने लगती है, परन्तु उसी जगह एक सेह की मांद होती है और अचानक उस स्त्री के हाथ से कुदाल सेह के बच्चे को लग जाती है जिससे सेह के बच्चे की मृत्यु हो जाती है। इस घटना से साहूकार की पत्नी को बहुत दुख होता है। मन में पश्चाताप का भाव लिए वह घर लौट जाती है। परन्तु कुछ दिनों बाद उसकी संतानें एक-एक करके मरने लगती हैं। अपने बच्चों की अकाल मृत्यु से पति पत्नी दुखी रहने लगते हैं। बच्चों की शोक सभा में साहूकार की पत्नी विलाप करती हुई उन्हें बताती है कि उसने जान-बूझकर कभी कोई पाप नहीं किया लेकिन एक बार अंजाने में उससे एक सेह के बच्चे की हत्या हो गई थी। यह सुनकर औरतें साहूकार की पत्नी को दिलासा देती हैं और उसे अष्टमी माता की पूजा करने को कहती हैं। साहूकार की पत्नी दीवार पर अहोई माता और सेह के बच्चों का चित्र बनाकर माता की पूजा करती है और अहोई मां से अपने अपराध की क्षमा-याचना करती है। तब मां प्रसन्न हो उसकी होने वाली सन्तानों को दीर्घ आयु का वरदान देती हैं। तभी से अहोई व्रत की परम्परा प्रचलित हो गई। अहोई माता के चित्रांकन में ज्यादातर आठ कोष्ठक की एक पुतली बनाई जाती है। उसी के पास सेह तथा उसके बच्चों की आकृतियां बना दी जाती हैं। उत्तर भारत के विभिन्न क्षेत्रों में अहोई माता का स्वरूप वहां की स्थानीय परम्परा के अनुसार बनता है। सम्पन्न घर की महिलाएं चांदी की अहोई बनवाती हैं। जमीन पर गोबर से लीपकर कलश की स्थापना होती है। अहोई माता की पूजा करके उन्हें दूध चावल का भोग लगाया जाता है। तत्पश्चात एक पाटे पर जल से भरा लोटा रखकर कथा सुनी जाती है। अहोई माता की पूजा के लिए गेरू से दीवार पर अहोई माता का चित्र बनाते हैं तथा साथ ही सेह और उसके बच्चों का चित्र भी बनाते हैं।

सन्ध्या में आरती के समय के उपरान्त मां का पूजन करने के बाद अहोई माता की कथा सुनते हैं। पूजा के बाद सास-ससुर के पैर छूकर आशीर्वाद प्राप्त कर बाहर आकाश में दीपक अर्पित करके तारों की पूजा कर जल चढ़ाते हैं। तारों को करवा से अर्घ्य भी दिया जाता है। इस दौरान अहोई माता का जाप भी करते हैं। अष्टमी का चांद देखने के उपरान्त व्रत पूजन पूरा हो जाता है और इसके पश्चात व्रती को जल ग्रहण करके व्रत का समापन करना होता है। पूजा के उपरान्त इस दिन लाल धागे की रक्षा सूत्र बांधकर पुत्र अथवा पुत्री को दीर्घायु का आशीर्वाद देना चाहिए! अहोई माता पर एक दन्तकथा के अनुसार, प्राचीन काल में दतिया नगर में चंद्रभान नाम का एक आदमी रहता था। उसकी बहुत सी सन्तानें थीं, परन्तु उसकी सन्ताने अल्प आयु में ही अकाल मृत्यु को प्राप्त होने लगती हैं। अपने बच्चों की अकाल मृत्यु से पति-पत्नी दुखी रहने लगे थे। कालान्तर तक कोई सन्तान न होने के कारण वह पति-पत्नी अपनी धन दौलत का त्याग करके वन की ओर चले जाते हैं और बद्रिकाश्रम के समीप बने जल के कुंड के पास पहुंचते हैं तथा वहीं अपने प्राणों का त्याग करने के लिए अन्न-जल का त्याग करके उपवास पर बैठ जाते हैं।

इस तरह छह दिन बीत जाते हैं तब सातवें दिन एक आकाशवाणी होती है कि हे साहूकार। तुम्हें यह दुरुख तुम्हारे पूर्व जन्म के पाप से मिल रह है। अतरू इन पापों से मुक्ति के लिए तुम्हें अहोई अष्टमी के दिन व्रत का पालन करके अहोई माता की पूजा अर्चना करनी चाहिए। जिससे प्रसन्न हो अहोई माता तुम्हें पुत्र प्राप्ति के साथ-साथ उसकी दीर्घ आयु का वरदान देंगी। इस प्रकार दोनों पति-पत्नी अहोई अष्टमी के दिन व्रत करते हैं और अपने पापों की क्षमा मांगते हैं। अहोई मां प्रसन्न हो उन्हें संतान की दीर्घायु का वरदान देती हैं।

वर्तमान समय में भी माताओं द्वारा अपनी सन्तान की ईष्टकामना के लिए अहोई माता का व्रत रखा जाता है और सांयकाल अहोई मता की पूजा की जाती है तो निश्चित रूप से इसका शुभफल उनको मिलता ही है और सन्तान चाहे पुत्र हो या पुत्री उसको भी निष्कंटक जीवन का सुख मिलता है। अहोई व्रत के दिन प्रात उठकर स्नान करें और पूजा पाठ करके अपनी संतान की दीर्घायु एवं सुखमय जीवन हेतु कामना करते हुए मैं अहोई माता का व्रत कर रही हूं ऐसा संकल्प करें। अहोई माता मेरी संतान को दीर्घायु, स्वस्थ एवं सुखी रखे। अनहोनी को होनी बनाने वाली माता देवी पार्वती हैं। इसलिए माता पार्वती की पूजा करें। अहोई माता की पूजा के लिए गेरू से दीवार पर अहोई माता का चित्र बनाएं और साथ ही सेह और उसके सात पुत्रों का चित्र बनाएं। सन्ध्या काल में इन चित्रों की पूजा करें।

नजरिया

सरकार की नाक के नीचे विस्फोट त्योहारी सुरक्षा को चुनौती!

मनोज कुमार अग्रवाल

मोबाइल 9219179431

रोहिणी स्थित प्रशांत विहार इलाके में रविवार सुबह हुए धमाके ने एजेंसियों के कान खड़े कर दिए हैं। राष्ट्रीय राजधानी में बीते 13 साल बाद इस तरह का धमाका हुआ है। सुरक्षा एजेंसियों ने पांच घंटे तक घटनास्थल की जांच की। इससे पहले सितंबर 2011 में दिल्ली हाईकोर्ट में धमाका हुआ था जिसमें 11 लोगों की मौत हुई थी।

सुरक्षा के दृष्टिगत देश की अति संवेदनशील मानी जाने वाली राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 20 अक्टूबर करवाचौथ के दिन और दीपावली त्योहार के दस दिन पहले विस्फोट की वारदात ने तमाम सुरक्षा एजेंसियों की नींद उड़ा दी है अब तमाम एजेंसिया जांच में जुटी है। प्रशांत विहार इलाके में रविवार को सीआरपीएफ स्कूल के पास हुए ब्लास्ट में हर कोण से तफ्तीश की जा रही है। सोमवार को सीआरपीएफ की टीम ने जांच की, दूसरी एजेंसी ने मौका मुआयना किया। जांच स्पेशल सेल या फिर केंद्रीय जांच एंजेसी को भी ट्रांसफर हो सकती है। अभी तक जो सामने आया, उसमें शक है कहीं ये किसी पाकिस्तानी आतंकी लिंक से लेकर लोकल ग्रुप का काम तो नहीं। वहीं ये बात भी सामने आ रही है कि ब्लास्ट करने वाला कोई केमिकल मेन है, जिसे केमिकल की अच्छी जानकारी थी। जांच एजेंसी मान रही है कि इसके पीछे कोई बड़ी साजिश का रिहर्सल छिपा हो सकता है ? शायद दहशतगर्द या अलगाववादी संगठन ये देखना चाहते हों कि विस्फोट की घटना पर दिल्ली की जांच एजेंसी कितना सक्रियता दिखाती हैं ? यह भी हो सकता है कि वो हमारी जांच एजेंसियों की जांच को भी परखना चाहते हों? ऐसी आंशका इसलिए जग रही है, क्योंकि दिल्ली पुलिस ने भी किसी बड़ी साजिश से फिलहाल इनकार नहीं किया है।

सबसे ज्यादा चिंताजनक यह है कि दिल्ली के रोहिणी में सीआरपीएफ स्कूल के पास बम विस्फोट के बाद अब देशभर के अन्य राज्यों में सीआरपीएफ स्कूलों में बम विस्फोट को लेकर धमकी दी गई है। खबर है कि देशभर के सीआरपीएफ स्कूलों को ईमेल के जरिये यह धमकी दी गई है। इनमें से दो स्कूल दिल्ली और एक हैदराबाद में हैं। हालांकि ईमेल के फर्जी होने का संदेह है। इसके बावजूद ताजा धमकी ने दिल्ली समेत सभी स्कूलों में दहशत फैला दी है। माना जा रहा है कि यह ईमेल किसी ने दहशत फैलाने के लिए किया है। इनमें से दो स्कूल दिल्ली और एक हैदराबाद में हैं।मेल भेजने वालों ने मेल को लिस्टेड स्कूल के कमरों में नाइट्रेट आधारित आईईडी ब्लास्ट करने की बात कही है। ईमेल भेजने वाले ने सुबह 11 बजे से पहले सभी स्कूलों को खाली करने के लिए भी कहा है। दिल्ली के रोहिणी में सी.आर.पी.एफ. स्कूल में पहले ही धमाका हो चुका है। इस धमाके को लेकर अभी भी सुरक्षा एजेंसिया अभी भी कुछ ठोस जानकारी नहीं हासिल कर पाई हैं। इसे अब भी रहस्यमय विस्फोट बताया जा रहा है। इस मामले में आरोपी अभी भी फरार हैं।

आपको बता दें कि दिल्ली में पहले भी कई बार बम ब्लास्ट और आतंकी घटनाएं हुई हैं। पर.उनमें और इस घटना में कुछ फर्क है। 20 अक्टूबर को सुबह फटे बम के बाद दूर-दूर तक धुआ ही धुआं फैल गया। लोगों को सांस लेने में दिक्कते हुई। तेज बदबू इलाके में फैल गई। आसपास के घरों की नीव भूकंप की भांति हिल गई। गौरतलब है कि गृह मंत्रालय की खुफिया एजेंसी आईबी के पास इस तरह के इनपुट थे कि त्योहारों के वक्त दिल्ली- एनसीआर में कहीं न कहीं कोई अतिंकी घटना घटने की आशंका है। कमोबेश वैसा होता भी दिखाई दिया। खुफिया इनपुट के बावजूद अगर ऐसी घटना घटती है ती कानून तंत्र, खुफिया विभाग, एंटी टेरर विंग पर सवालिया निशान उठना लाजिमी हो जाता है। अगर वह गहरी नींद में न सोते, ती ये हादसा शायद नहीं होता। पर, अकसर होता यही है जिम्मेदार एजेंसियां इस तरह की नाकामी कभी अपने पर नहीं लेतीं। दिल्ली में कुछ महीनों बाद विधानसभा चुनाव होने हैं। बॉर्डर पर किसानों का पहरा है। भीड़भाड़ तो सदैव दिल्ली में रहती ही है। इसके अलावा पूरी केंद्र सरकार, ब्यूरोक्रेट लॉबी सभी यहीं बसती है। इसलिए देश की राजधानी दिल्ली में खुफिया एजेंसियों और कानून तंत्र को चौबीसों घंटे चौकन्ना रहना चाहिए। पर, अफसोस ऐसा होता नहीं? दहशतगर्द उनकी नाक के नीचे घटनाओं को अंजाम देकर चुपके से निकल जाते हैं, उसके बाद जांच के नाम पर लाठी पीटी जाती है। फिलहाल, ऐसी बातों पर गौर न कर, मौजूदा घटना की जड़ तक पहुंचने की आवश्यकता है।

दिल्ली के रोहिणी में ब्लास्ट के बाद देर रात पाकिस्तान से चलने वाले टेलीग्राम चैनल पर बम धमाकों के पीछे खालिस्तानी आतंकियों के हाथ होने का दावा किया जा रहा है, देर रात पाकिस्तान से चलने वाले टेलीग्राम चैनल पर इस धमाके में खालिस्तानी उग्रवादियों के शामिल होने का दावा किया गया है, टेलीग्राम चैनल 'जस्टिस लीग इंडिया' पर सीसीटीवी फुटेज डालकर बम धमाके का दावा किया गया है, उसके बाद इस मैसेज को पाकिस्तान से चलने वाले कई टेलीग्राम चैनल पर सर्कुलेट किया गया है, दिल्ली पुलिस सूत्रों के मुताबिक, दिल्ली पुलिस ने टेलीग्राम मैसेंजर को पत्र लिखकर टेलीग्राम चैनल जस्टिस लीग इंडिया के बारे में जानकारी मांगी है। पुलिस अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से भी जानकारी मांग रही है। टेलीग्राम ने अभी तक दिल्ली पुलिस को कोई जवाब नहीं दिया है। जांच जारी है, धमाके के सिलसिले में अभी तक किसी संगठन का नाम सामने नहीं आया है।

सभी पहलुओं की जांच की जा रही हैएफएसएल टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर इसके सैंपल लिए। मौके से सफेद पाउडर और कुछ तारनुमा चीजें भी बरामद हुई हैं। इसी बीच मौके पर दमकल की गाड़ियां भी पहुंची। शुरुआती जांच में आशंका जताई जा रही है कि धमाके में हाई इंटेंसिव एक्सप्लोसिव का इस्तेमाल किया गया है। छोटा क्रूड बम भी हो सकता है। आतंकी हमला होने की आशंका को देखते हुए एनएसजी की टीम भी मौके पर पहुंच गई है। मौके पर पहुंचने के बाद एनएसजी ने घटनास्थल को अपने कब्जे में ले लिया है। फोरेंसिक साइंस लैबोरेटरी (एफएसएल) टीम के सूत्रों के मुताबिक, शुरुआती जांच में क्रूड बम जैसा मटेरियल मिला है। हालांकि, पूरी रिपोर्ट मिलने के बाद ही आधिकारिक जानकारी मिल पाएगी।

रोहिणी स्थित प्रशांत विहार इलाके में रविवार सुबह हुए धमाके ने एजेंसियों के कान खड़े कर दिए हैं। राष्ट्रीय राजधानी में बीते 13 साल बाद इस तरह का धमाका हुआ है। सुरक्षा एजेंसियों ने पांच घंटे तक घटनास्थल की जांच की। इससे पहले सितंबर 2011 में दिल्ली हाईकोर्ट में धमाका हुआ था जिसमें 11 लोगों की मौत हुई थी। वहीं जनवरी 2022 में गाजीपुर फूल मंडी के गेट पर बैग में आईईडी विस्फोटक बरामद हुआ था। जिसे एनएसजी की बम निरोधक दस्ता की टीम एक बड़ा गड्ढा कर उसमें बम को निष्क्रिय कर दिया था। जांच में सामने आया था कि बम को बनाने में आरडीएक्स और अमोनियम नाइट्रेट के साथ ही छर्रे का इस्तेमाल किया गया था। वहीं दिसंबर 2023 में इजराइली दूतावास के बाहर भी धमाका हुआ था, लेकिन उसमें कोई हताहत नहीं हुआ था। एएनआई ने सूत्रों के हवाले से बताया कि दिल्ली पुलिस ने सीआरपीएफ स्कूल विस्फोट जांच के सिलसिले में आसपास और सामने के बाजार के सभी सीसीटीवी डीवीआर को अपने कब्जे में ले लिया है।

सीसीटीवी फुटेज में एक संदिग्ध को सफेद टी-शर्ट पहने हुए घटनास्थल पर देखा जा सकता है। सूत्रों ने कहा कि विस्फोट से एक रात पहले घटनास्थल पर गतिविधि देखी गई थी। दिल्ली पुलिस के सूत्रों के मुताबिक, विस्फोटक को पॉलीथिन की थैली में लपेटकर आधा से एक फुट गहरे गड्ढे में लगाकर रखा गया था। इसके बाद गड्ढे को कचरे से ढक दिया गया था। रविवार सुबह स्कूल के पास एक तेज धमाका हुआ। रविवार को जिस सीआरपीएफ स्कूल की बाउंड्री के पास ब्लास्ट हुआ वो बंद था। साथ ही वक्त सुबह का था और स्थानीय लोगों की आवाजाही भी न के बराबर थी। अगर ये घटना वर्किंग डे में होती. तो जानमाल का काफी नुकसान हो सकता था । एकाएक दिमाग में सभी के यही आ रहा है कि कहीं कानून-व्यवस्था की तैयारियों की परखना चाहते थे बम ब्लास्ट करके आतंकी? ऐसे अंदेशा पुलिस को भी है। पर जो भी हो. रविवार तड़के स्कूल के बाहर फटे इस बम की तेज आवाज ने पूरी दिल्ली में दहशत जरूर फैला दी है। घटना के बाद पुलिस ने एहतियातन पूरी दिल्ली को अलर्ट पर रखा है और सर्तकता बढ़ा दी है।

पता हो कि सीआरपीएफ स्कूल में पांच श्रेणी में छात्र-छात्राओं को सिलेक्ट किया जाता है। इसमें सीआरपीएफ अधिकारियों के बच्चे, सीआरपीएफ के रिटायर्ड और हैंडीकैप अधिकारियों के बच्चे, अन्य पैरामिलिट्री फोर्सेस (आईटीबीपी, बीएसएफ आदि) के जवानों के बच्चे पढ़ते हैं। यदि कुछ सीट खाली रहती है तो नानफोरसेज पेरेंट्स के बच्चों को प्रवेश दिया जाता है। दिल्ली सरकार की नाक के नीचे विस्फोट का यह गंभीर मामला है सरकार को गंभीरता से सख्त कदम उठाने चाहिए।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

'बिल्ड विद एआई सम्मिट'

पीपल+ एआई के प्रमुख तनुज भोजवानी, मेटा के वीपी और मुख्य एआई वैज्ञानिक यान लेकन और इन्फोसिस के गैर-कार्यकारी अध्यक्ष नंदन नीलेकणि ने 'बिल्ड विद एआई सम्मिट' में 'एआई के लोकतंत्रीकरण में ओपन साइंस की संस्कृति' पर एक पैनल में चर्चा की। यह मेटा लामा के खुले मंच का उपयोग करके डेवलपर्स को सशक्त बनाने और नवाचार के भविष्य को आगे बढ़ाने के लिए एक एआई हैकथॉन थी। इसमें 1,500 से ज़्यादा रजिस्ट्रेशन, 350 से ज़्यादा प्रस्तावों और 90 से ज़्यादा टीमों ने शिरकत की।

कृत्रिम मेधा से नई नौकरियों का सृजन होगा, पर कई खत्म भी होंगी : संजीव सान्याल

कोलकाता/भाषा

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य (ईएसीपीएम) संजीव सान्यालय ने बुधवार को कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) से नई नौकरियों का सृजन होगा और कई पुरानी खत्म भी होंगी। यह इस बात पर निर्भर करता है कि इसे कैसे अपनाया जाता है। उद्योग मंडल भारत चैंबर ऑफ कॉमर्स के एक कार्यक्रम सान्याल ने दावा किया कि कृत्रिम मेधा अत्यधिक कुशल लोगों को प्रभावित करेगा और मध्यस्थ के कार्य समाप्त हो जाएंगे।

सान्याल ने कहा, ''एआई को लेकर बहुत चर्चा है। बहुत कुछ इस पर निर्भर करेगा कि हम इसे कैसे अपनाते हैं। सरकार और जनता के बीच इसपर बहस चल रही है। यह भी सच है कि अगर हम इसे नहीं अपनाएंगे तो पीछे रह जाएंगे।'' उन्होंने दावा किया कि उच्च कौशल वाले क्षेत्रों में मौजूदा लोगों की भूमिका समाप्त हो जाएगी जबकि नौकरियां समाप्त भी होंगी और सृजित भी होंगी।

अर्थशास्त्री ने कहा, ''एक क्षेत्र है, जहां एआई निश्चित रूप से प्रभाव डालेगा और वह शिक्षा है।'' सान्याल ने एक उदाहरण देते हुए कहा कि लोग वीडियो-प्रसारित करने वाली वेबसाइट पर व्याख्यान सुनेंगे और सवाल-जवाब के लिए एआई चैटबॉट का उपयोग करेंगे। उन्होंने कहा, ''इसका मतलब है कि छात्रों को कुछ आपसी सहयोग से जुड़े कार्यों को छोड़कर कॉलेज जाने की आवश्यकता नहीं होगी। स्नातक शिक्षा पूरी तरह से मुफ्त हो सकती है।'' सान्याल ने यह भी कहा कि इसके जरिये पाठ्यक्रम को निर्बाध रूप से अद्यतन किया जा सकता है। उन्होंने कहा, ''ऐसे स्थिति में, विश्वविद्यालय केवल शोध के लिए स्थान होंगे, न कि व्याख्यान देने के लिए। एआई का उपयोग करके प्रमाणन की एक प्रणाली भी बनाई जा सकती है।''

सान्याल के अनुसार, मुख्य मुद्दा यह है कि नीतिगत उपायों का उपयोग करके इसे कैसे नियमित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने एआई के लिए 'लेसे फेयर' यानी बिना कोई हस्तक्षेप के चीजों को अपने तरीके से आगे बढ़ने की नीति को अपनाया है, जबकि यूरोप नौकरशाही के जरिये नियंत्रण के पक्ष में है।

उद्घाटन

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बुधवार को सुपौल में विभिन्न विकास कार्यों के उद्घाटन के अवसर पर।

अमेरिका : मैकडोनाल्ड्स का बर्गर खाने से 49 लोग बीमार, एक की मौत

वाशिंगटन/एपी

अमेरिका में मशहूर खाद्य शृंखला 'मैकडोनाल्ड्स' का बर्गर खाने से ई.कोली बैक्टीरिया का संक्रमण फैल गया है जिससे 10 राज्यों में कम से कम 49 लोग बीमार पड़ गए हैं और इनमें से एक व्यक्ति की मौत हो गयी है। संघीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि 10 संक्रमित लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अमेरिका के रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) ने बताया कि इस संक्रमण से कोलोराडो में एक बुजुर्ग व्यक्ति की मौत हो गयी है और एक बच्चे को गुर्दे की गंभीर समस्या के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कोलोराडो, आयोवा, कंसास, मिसौरी, मोंटाना, नेब्रास्का, ओरेगोन, उटाह, व्योमिंग और विस्कॉन्सिन में 27 सितंबर और 11 अक्टूबर के बीच इस संक्रमण के मामले दर्ज किए गए। सबसे ज्यादा 27 मामले कोलोराडो में दर्ज किए गए और इसके बाद नेब्रास्का में नौ मामले दर्ज किए गए। सीडीसी के अनुसार, संक्रमित पाए गए सभी लोगों ने बताया कि उन्होंने बीमार पड़ने से पहले मैकडोनाल्ड का 'क्वार्टर पाउंडर हैमबर्गर' खाया था। अमेरिका का कृषि विभाग, खाद्य एवं औषधि प्रशासन और राज्य के स्वास्थ्य अधिकारी भी मामले की जांच कर रहे हैं।

इस्लामिक व्यापार समूह के 22 सदस्यों पर सैकड़ों बच्चों से यौन उत्पीड़न का आरोप

कुआलालंपुर/एपी

मलेशिया के कुआलालंपुर में सैकड़ों बच्चों से कथित तौर पर यौन उत्पीड़न का मामला सामने आने के बाद एक इस्लामी व्यापार समूह के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सहित उसके 22 सदस्यों पर बुधवार को एक संगठित आपराधिक संगठन का हिस्सा होने का आरोप लगाया गया।

पिछले महीने इस संगठन से जुड़े एक कल्याण गृह से 500 से ज्यादा बच्चों को छुड़ाया गया था।

पुलिस ने मानव तस्करी और धन शोधन के मामले की जांच के अपने दायरे को बढ़ाते हुए 'ग्लोबल इखवान सर्विसेज एंड बिजनेस होल्डिंग' (जीआईएसबी) के सीईओ नसीरुद्दीन मोहम्मद अली, उनकी पत्नी अजुरा मोहम्मद यूसुफ सहित दर्जनों लोगों को पिछले महीने हिरासत में लिया था।

इस्लामी अधिकारी प्रतिबंधित इस्लामी पंथ 'अल अरकम' से जुड़ी पथभ्रष्ट करने वाली शिक्षाएं देने के लिए भी जीआईएसबी की जांच कर रहे हैं।

अल अरकम के नेता अशारी मोहम्मद ने ग्लोबल इखवान की स्थापना की थी और 2010 में उनकी मौत के बाद यह समूह फलता-फूलता रहा।

रूस एवं यूक्रेन दोनों की बात सुनने के लिए भारत 'बहुत अच्छी स्थिति' में : जर्मनी के राजदूत

नई दिल्ली/भाषा

भारत में जर्मनी के राजदूत फिलिप एकरमैन ने कहा है कि उनके देश का हमेशा से यह कहना रहा है कि रूस-यूक्रेन विवाद के मामले में भारत दोनों पक्षों की बात सुनने के लिए ''बहुत अच्छी स्थिति'' में है। एकरमैन ने कहा, उन्हें हालांकि नहीं पता कि नई दिल्ली का क्या करने का इरादा है, लेकिन बर्लिन ''किसी भी तरह की बातचीत का स्वागत करेगा।'' जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज की भारत यात्रा से पहले जर्मनी के राजदूत एकरमैन ने यहां अपने आवास पर मीडिया से बातचीत की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चांसलर शोल्ज 25 अक्टूबर को सातवें अंतर-सरकारी परामर्श (आईजीसी) की सह-अध्यक्षता करेंगे। आईजीसी एक संपूर्ण सरकारी ढांचा है, जिसके तहत दोनों पक्षों के मंत्री अपने-अपने जिम्मेदारी वाले क्षेत्रों में चर्चा करते हैं और अपने विचार-विमर्श के परिणामों की रिपोर्ट प्रधानमंत्री और चांसलर को देते हैं।

दो साल से अधिक समय से जारी संघर्ष का समाधान निकालने में भारत की संभावित भूमिका के बारे में पूछे गए एक सवाल पर एकरमैन ने कहा, ''हम सभी जानते हैं कि प्रधानमंत्री (मोदी) कजान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से वापस आ रहे हैं। वह रूसी राष्ट्रपति सहित कई नेताओं से बातचीत कर रहे हैं और द्विपक्षीय वार्ता के एजेंडे को जाने बिना...मुझे यकीन है कि यह एजेंडे में होगा और चांसलर बहुत उत्सुक होंगे कि इस बैठक के बाद प्रधानमंत्री क्या कहते हैं।'' उन्होंने कहा, ''हमने हमेशा कहा है कि भारत दोनों पक्षों की बात सुनने तथा दोनों पक्षों को ध्यान में रखने के लिए बहुत अच्छी स्थिति में है। हमने प्रधानमंत्री को कीव जाते देखा है...मुझे नहीं पता कि भारत क्या करने का इरादा रखता है, लेकिन हम किसी भी तरह की बातचीत का स्वागत करेंगे।''

बाद में 'पीटीआई-वीडियो' के साथ बातचीत में जर्मनी के राजदूत ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि मोदी और शोल्ज ''भू-राजनीति पर चर्चा करेंगे।''

यह पूछे जाने पर कि प्रधानमंत्री मोदी और शोल्ज के बीच बातचीत में क्या यूक्रेन और पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष का मुद्दा आएगा, उन्होंने कहा, ''मैं पूरी तरह आश्वस्त हूं, हालांकि मुझे द्विपक्षीय बैठक का एजेंडा नहीं पता, लेकिन मुझे पूरा विश्वास है कि वे भू-राजनीति पर चर्चा करेंगे। चीजों पर भारत के दृष्टिकोण को सुनना अच्छा रहेगा। हमारे पास चीजों पर एक यूरो-केंद्रित

मनीषा कोइराला को मुंबई के समुद्र तटों पर योगाभ्यास करना पसंद

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री मनीषा कोइराला, जिन्हें आखिरी बार स्ट्रीमिंग शो 'हीरामंडी: द डायमंड बाजार' में देखा गया था। उन्होंने साझा किया है कि उन्हें मुंबई के समुद्र तटों पर योग का अभ्यास करना पसंद है। सोमवार को अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर योगा मैट पकड़े और समुद्र तट पर टहलते हुए अपनी कुछ तस्वीरें साझा की। इन तस्वीरों में वह काफी आकर्षक लग रही थी। उनकी आंखों पर काला चश्मा काफी अच्छा लग रहा था। उन्होंने कैप्शन में लिखा, चलते रहो, चाहे वह किसी भी रूप में हो - चाहे वह योग हो, जिम हो, एरोबिक्स हो या डांस हो। मुंबई में रहते हुए, मुझे समुद्र तट पर योग करना बहुत पसंद है, खासकर सुबह के समय जब शहर शांत होता है और समुद्री हवा आत्मा को ऊर्जा देती है।

उन्होंने आगे बताया, समुद्र तट पर खुद के साथ और अपने आस-पास की दुनिया के साथ एक गहरा संबंध होता है। जब आप अपने शरीर और दिमाग को हरकत में लाते हैं तो सब कुछ बड़ा, उज्ज्वल और अधिक दिलचस्प लगता है। इससे शांति का एहसास होता है। इससे पहले अभिनेत्री ने एक रील शेयर की थी, जिसमें उन्हें मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से किसी स्थान के लिए उड़ान भरते हुए देखा जा सकता था।

'कांगुवा' का दूसरा गाना 'योलो' हुआ आउट

मुंबई/एजेन्सी

'कांगुवा' एक महीने से भी कम समय में अपनी रिलीज के लिए तैयार है और इसके दूसरा गाना 'योलो' शीर्षक के लॉन्च के साथ उत्साह स्पष्ट है। जो बात इस ट्रैक को खास बनाती है वह यह है कि इसे किसी और ने नहीं बल्कि रॉकस्टार डीएसपी ने गाया और कंपोज किया है। 'योलो' शीर्षक

का अर्थ 'यू ओनली लिव वन्स' है, और यह एक पार्टी गाना बनने जा रहा है। प्रशंसक पहले से ही इस दूसरे गाने की प्रशंसा कर रहे हैं, जो फिल्म की ऊर्जावान भावना को लाने का वादा करता है। यह गाना कई भाषाओं में उपलब्ध होगा, जो फिल्म की व्यापक पहुंच और लोकप्रियता को दर्शाता है। 'योलो' के गीतात्मक संस्करण में फिल्म की झलकियाँ हैं, और जोशीला संगीत निश्चित रूप से हर किसी को नाचने पर मजबूर कर देगा। 'कांगुवा' में, मुख्य अभिनेता ने दोहरी भूमिका निभाई है, और यह गाना हमें सूर्या के फ्रांसिस नाम के दूसरे किरदार पर पहली नज़र डालता है। कई भाषाओं में देवी श्री प्रसाद द्वारा गाया गया, हिंदी संस्करण में शिल्पा राव द्वारा गायन किया गया है, और गीत विवेका द्वारा लिखे गए हैं। 'योलो' 'कांगुवा' का शुरुआती ट्रैक बनने के लिए तैयार है, जो सूर्या अभिनीत फिल्म के लिए एक शक्तिशाली शुरुआत है। दिशा पटानी ने मुख्य भूमिका निभाई है, जबकि बॉबी देओल खलनायक की भूमिका में हैं। इससे पहले जब पहला गाना, 'फ़ायर सॉन्ग' रिलीज़ हुआ था, तो उसे व्यापक प्रशंसा मिली थी, जिसमें रॉकस्टार डीएसपी की संगीत क्षमता को पूरी महिमा के साथ प्रदर्शित किया गया था। अब तक रिलीज़ किए गए ऐसे उत्साहित और ऊर्जावान सिंगल्स के साथ, यह फिल्म एक मनोरंजक कहानी के साथ एक संगीतमय यात्रा का वादा करती है। प्रशंसक उत्सुकता से रॉकस्टार डीएसपी के जादू की और अधिक उम्मीद कर रहे हैं क्योंकि 'कंगुवा' 14 नवंबर को रिलीज होने के लिए तैयार है। 'कंगुवा' के अलावा, रॉकस्टार डीएसपी ने हाल ही में हैदराबाद में अपने बहुप्रतीक्षित भारत दौरे की शुरुआत की। उनके पास 2024 के लिए परियोजनाओं की एक रोमांचक लाइनअप भी है, जिसमें 'पुष्पा 2: द रूल', पवन कल्याण की 'उस्ताद भगत सिंह', अजित की 'गुड बैड अग्ली', नागा चैतन्य की 'चैनल', धनुष की 'कुबेर' और राम चरण की बेनाम फिल्म जैसी परियोजनाएं शामिल हैं।

विवाह

अभिनेता बाला और कोकिला बुधवार को कोच्चि में एक अंतरंग समारोह के दौरान पावक्कुलम श्री महादेव मंदिर में विवाह की रस्में निभाते हुए।

'मिथ्या-द डार्कर चैप्टर' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म, जी5 ने अपनी ऑरिजिनल सीरीज़ एवं साइकोलॉजिकल ड्रामा, 'मिथ्या-द डार्कर चैप्टर' का ट्रेलर रिलीज़ कर दिया है। कपिल शर्मा के निर्देशन में बनी और अप्लॉज एंटरटेनमेंट तथा रोज़ ऑडियो विज़ुअल प्रोडक्शन द्वारा साथ मिलकर प्रोड्यूस की गई मिथ्या-द डार्कर चैप्टर' में दो सौतेली बहनों, जूही (हुमा कुरैशी के किरदार) और रिया (अवंतिका दासानी के किरदार) के बीच जटिल और लगातार बदलते रिश्तों की दास्तान के साथ-साथ उन दोनों के बीच बदले और इंतक़ाम की भावना के साथ जारी संघर्ष को दिखाया गया है। 'मिथ्या' इस बार दीवाली के अवसर पर 01 नवंबर को स्ट्रीमिंग के लिए तैयार है, जिसमें नवीन कस्तूरिया, रजित कपूर, इंद्रनील सेनगुप्ता, अवंतिका अकेरकर, रुशाद राणा और कृष्णा बिष्ट ने भी अहम किरदार निभाए हैं। 'मिथ्या-द डार्कर चैप्टर' के बारे में अपनी खुशी जाहिर करते हुए, हुमा कुरैशी ने कहा, मैं 'मिथ्या' की वापसी से बेहद उत्साहित महसूस कर रही हूं! इस शो ने मुझे एक एक्टर के तौर पर अपनी कालबिलियत के बिल्कुल अलग पहलू को दर्शकों के सामने लाने के लिए प्रेरित किया है। मैंने एक ऐसा किरदार निभाया है, जो हालात की वजह से लाचार महसूस करती है और उसमें बदले की भावना भर गई है। मैं इस सीरीज़ के मेकर्स की शुक्रगुज़ार हूं जिन्होंने इस रोमांचक, दमदार भूमिका के लिए मुझे अवसर दिया है और अब मैं अपने किरदार की ज़िंदगी के अगले अध्याय का बेसब्री से इंतज़ार कर रही हूँ! जबरदस्त ड्रामा और कहानी में चौंकाने वाले मोड़ के साथ, इस सीरीज़ का ट्रेलर तो सिर्फ आगे के रोमांचक सफ़र की झलक दिखाता है। दशकों से मेरी गुज़ारिश है कि वे 1 नवंबर को जी5 पर ट्यून करें, और देखें कि इसमें आगे और क्या-क्या होने वाला है।

अवंतिका दसानी ने कहा, मैं 'मिथ्या- द डार्कर चैप्टर' के लिए अपनी खुशी बयां नहीं कर सकती! मैंने इस शो के साथ डेब्यू किया था, जिसके बाद मेरी शख़्सियत के साथ-साथ एक प्रोफेशनल के तौर पर भी मुझमें काफी बदलाव आया है। मैं सचमुच एहसानमंद हूं कि मुझे इतनी शानदार टीम के साथ काम करने का मौका मिला है, साथ ही सबसे कम उम्र की होने के नाते मैंने पूरी कास्ट से बहुत कुछ सीखा है। रिया का किरदार काफी पेचीदा और दिलचस्प है, और इस सीज़न में बदले और धोखे का सामना करते हुए उसका सफ़र नई ऊँचाइयों पर पहुंचता है। दर्शकों की तरह मैं भी बेसब्री से इंतज़ार कर रही हूँ कि, वे आगे आने वाले रोमांचक मोड़ का अनुभव करें और 1 नवंबर को जी5 पर इस शो के प्रीमियर का भरपूर आनंद लें।

नवीन कस्तूरिया ने कहा, पहले सीज़न में जबरदस्त कामयाबी पाने वाले ऐसे बेहतरीन शो का हिस्सा बनकर मुझे खुशी के साथ-साथ ज़िम्मेदारी भी मिली है, जिसे मैं बड़े उत्साह के साथ निभाने के लिए तैयार हूँ। मैं अब तक जो भी किरदार निभाए हैं यह उन सब से अलग है, जो यकीनन दर्शकों के लिए बिल्कुल नया और दिलचस्प होने वाला है। हुमा कुरैशी और रजित कपूर के साथ स्क्रीन शेयर करने का अनुभव मेरे लिए सचमुच बड़ा रोमांचक रहा है। वे दोनों बेहतरीन कलाकार हैं और मुझे उनके साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करने में बहुत मज़ा आया। मैं चाहता हूँ कि दर्शक देखें कि 'मिथ्या' की रोमांचक दुनिया में मेरा किरदार किस तरह सामने आता है।

मेरे परिवार को लड़का होने की उम्मीद थी, लेकिन मेरे जन्म का जश्न मनाया गया : निकिता पोरवाल

मुंबई/भाषा

फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड 2024 की विजेता निकिता पोरवाल का कहना है कि वह एक परंपरावादी परिवार में पली-बढ़ी हैं, जहां उनके माता-पिता नारीवाद और महिला सशक्तिकरण जैसी अवधारणाओं से अपरिचित थे, लेकिन उनके जीवन और कर्म में ये मूल्य समाहित रहे हैं। मध्य प्रदेश के उज्जैन में पली-बढ़ी पोरवाल को पिछले हफ़्ते सौंदर्य प्रतियोगिता में विजेता घोषित किया गया। अब वह 2025 में मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता के 72वें संस्करण में देश का प्रतिनिधित्व करेंगी। अभिनेत्री-मॉडल निकिता ने कहा कि उनका पालन पोषण बहुत लाड़-प्यार से किया गया और नारीवाद तथा महिला सशक्तिकरण जैसे शब्दों से अनजान होने के बावजूद उनका परिवार महिलाओं के सम्मान को कितना महत्व देता है, यह इसी बात से पता चलता है कि बेटे की उम्मीद के बावजूद उनके जन्म का जश्न मनाया गया। वह बताती हैं कि माहवारी के दिनों में न केवल घर की महिला सदस्य बल्कि पुरुष सदस्य भी उनके आराम और सुविधा का ख्याल रखते हैं। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' के साथ एक साक्षात्कार में कहा, ''मैं उज्जैन के एक बहुत ही विनम्र और साधारण परिवार से आती हूं। मेरे माता-पिता आधुनिक शब्दों जैसे नारीवाद, महिला सशक्तिकरण और न्याय के बारे में अच्छी तरह से परिचित नहीं थे, जिनका हम अक्सर इस्तेमाल करते हैं, लेकिन मैंने हमेशा देखा है कि उनके कार्यों में ये मूल्य समाहित थे।''

पोरवाल के एक बड़े भाई और बहन हैं। उन्होंने कहा कि जब उनकी मां गर्भवती थीं, तो परिवार में हर कोई ''लड़का होने की उम्मीद कर रहा था।'' उन्होंने कहा, ''दो लड़कियों की तुलना में परिवार में दो लड़के होना सही माना जाता है। लेकिन जब मेरा जन्म हुआ, तो सभी को आश्चर्य हुआ। मेरे पिता, मेरे चाचा, मेरे दादा ने मेरे जन्म का जश्न किसी जीत की तरह मनाया, वैसा जश्न उन्होंने मेरे भाई के जन्म के समय भी नहीं किया था।'' पोरवाल ने कहा कि जब उनका मासिक धर्म शुरू हुआ, तो उनसे उम्मीद की जाती थी कि वह रसोई में प्रवेश नहीं करेंगी, तब उनके दादा खुद उन्हें खाना परोसते थे। उन्होंने कहा, ''मेरे दादा मुझे खाना खिलाते थे। जब मैं स्कूल से लौटती थी, तो मेरे पिता मेरे पैरों की मालिश करते थे। मेरा भाई जो हमेशा मुझसे लड़ता था, वह भी उन दिनों मेरा बहुत ध्यान रखता था...।'' उन्होंने कहा, ''मेरे परिवार में मेरा पालन पोषण बहुत प्यार से किया गया और इसने मुझे एक ऐसा व्यक्ति बना दिया है जो मानता है कि प्यार एक ऐसी चीज है जो सब कुछ संतुलित कर सकती है। भले ही रीति-रिवाज और मूल्यों का एक-दूसरे के साथ तालमेल न हों, लेकिन प्यार सब कुछ बराबर कर सकता है।'' पोरवाल ने कहा कि उनके माता-पिता ने हमेशा उनका साथ दिया। उन्होंने कहा, ''आज, मेरे पास यह खिताब है। मुझे याद है कि जब मैं कुछ भी नहीं थी, तो उन्हें मुझ पर गर्व था और आज भी है। मैं हमेशा किसी न किसी तरह से उन्हें यह सम्मान देना चाहती थी, क्योंकि उज्जैन जैसे साधारण शहर से होने के कारण, अपने बच्चों को उनके सपनों को पूरा करने के लिए मुंबई जाने देना आसान नहीं है।'' उज्जैन के कार्मेल कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल से स्कूली शिक्षा प्राप्त करने वाली और बड़ौदा के महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय से स्नातक करने वाली पोरवाल ने कहा कि वह इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में अपने गृह राज्य का प्रतिनिधित्व करके भी खुश हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

बेंगलूरु | गुरुवार | 24-10-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

स्थानीय हनुमंतनगर स्थित जैन स्थानक में धर्मसभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए साध्वी श्री धर्मप्रभाजी ने कहा कि मन के रूप अनेक है। एक चलचित्र की तरह इस मन की दशा भी बड़ी विचित्र है। पल-पल में इसके भाव बदलते रहते हैं।

दूसरों को दुखी या परेशान करना सबसे बड़ा अधर्म : विनयमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गणेश बाग में चातुर्मासार्त विराजित मुनिश्री विनयमुनिजी ने अपने प्रवचन में जंबू दीप प्रज्ञप्ति के 16वें सूत्र पर प्रवचन करते हुए कहा कि भगवान महावीर ने काल चक्र में मनुष्यों को सम्बोधन करते हुए मिथिला नगरी में कहा था कि जीवों को जो भी जीवन मिला है, उस जीवन को छीनने का अधिकार नहीं है। चींटी से हाथी, इन्सान से देव कोई भी जीव है उनके मिले जीवन को चोट पहुंचाना-पीड़ा देना-बंधन में डालना - भयभीत करना, दबाव या हुकुमत में रखना ये सभी कर्म धर्म की श्रेणी में नहीं आते हैं। अधर्म द्वारा दूसरों के जीवन को पीड़ित करना, ये ही सबसे बड़ा अधर्म है। तीर्थंकर देवो ने सर्व जीवों के जीवन में रहे सुख दुःख को ज्ञान द्वारा समझा और फिर जन जन में अहिंसा परमो धर्म का सन्देश दिया! उत्तराध्ययन जिसे प्रभु महावीर की अन्तिम देशना मानते है। कार्तिक अमावस्था निर्वाण के दिन 2000 गाथाओं के श्रवण का अलौकिक-अपूर्व श्रवण हम सभी स्वाध्याय में करते हैं। लाखों जैनी निर्वाण तप जप विशेष करते है। उस परमात्मा का उपकार और कृतज्ञता ज्ञापित करते हैं। जीवन में समय समय पर विचारों में उमंग उत्साह-हर्ष-प्रसन्नता-प्रीति ये सभी अहिंसा धर्म को बढ़ाने में प्रेरित करते हैं। निराशा जीवन की सबसे बड़ी हार है। जीवन जैसा भी है, जीवों के अपने कर्मो से वही मिला है उसको ठेस पहुंचाना नहीं, ठेस हमें कोई पहुंचाएं तो हमें भी दुःख होता है। संघ प्रवक्ता प्रसन्नचंद मांडोत ने सभी का स्वागत किया। संघ महामंत्री संपतराज मांडोत ने धन्यवाद दिया।

तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर ने आयोजित की कार्यशाला एवं रंगोली प्रतियोगिता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर ने 'खुशियों की दीपावली' अभियान के अंतर्गत 'आत्मा का विमोचन एवं क्षमा का अभ्यास' विषयक कार्यशाला तथा 'अनासक्त भावना एवं स्वच्छता' विषयक रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी के सान्निध्य में किया गया। अध्यक्ष मंजू गादिया ने सभी का स्वागत किया। मंत्री दीपिका गोखरू ने रंगोली प्रतियोगिता की निर्णायिका जीतो लेडीज विंग साऊथ की निवर्तमान अध्यक्ष सुनीता गांधी का परिचय दिया।

साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी ने कहा कि भगवान महावीर ने आत्म विमोचन के लिए हमारे सामने अनेक सिद्धांत एवं बिंदु उपस्थित किए जिसका सबसे महत्वपूर्ण और प्रथम बिंदु है क्षमा। एक खुशनुमा और सुखद जीवन जीने के लिए क्षमा का होना आवश्यक है। गलतियां सभी से हो सकती है यह स्वाभाविक है ऐसे में क्षमा लेने, देने और मांगने पर कोई छोटा नहीं होता। क्षमा एक ऐसा गुण है जिसका विकास कर पूरे विश्व को अपना बनाया जा सकता है। इसके साथ ही साध्वीश्री ने सकारात्मक सोच का विकास, इच्छाओं का संयम आदि कई विषयों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अपने भीतर इन गुणों का विकास कर हम किस प्रकार आत्मा का विमोचन कर सकते हैं।

साध्वीश्री आस्थाप्रभाजी एवं दीक्षाप्रभाजी ने रोचक ज्ञानवर्धक गेम खिलाए। रंगोली प्रतियोगिता में लगभग महिलाओं ने भाग लिया और विषय अनुसार जीवंत रंगोलिया बनाई। प्रथम तीन विजेताओं सहित सभी प्रतिभागियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन पिंकी पोकरणा एवं आभार ज्ञापन सपना मांडोत ने किया। कार्यक्रम की संयोजिका संगीता चावत रही। मंडल द्वारा निर्णायिका सुनीता गांधी का सम्मान किया गया। इस मौके पर एबीटीएमएम से मधु कटारिया, पूर्व अध्यक्ष कुसुम डांगी, संरक्षिका इचुबाई पटावरी आदि उपस्थित थीं।

इंद्रियों पर संयम रखते हुए ही धर्म की सम्यक आराधना संभव : साध्वी धर्मप्रभा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय हनुमंतनगर स्थित जैन स्थानक में धर्मसभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए साध्वी श्री धर्मप्रभाजी ने कहा कि मन के रूप अनेक है। एक चलचित्र की तरह इस मन की दशा भी बड़ी विचित्र है। पल-पल में इसके भाव बदलते रहते हैं। यह मन कभी स्थिर नहीं रहता, इसलिए ज्ञानियों ने इस मन को चंचल बताते हुए इसे बन्दर की उपमा दी है। अशांत मन के फलस्वरूप विचारों में भिन्नता, उतार-चढ़ाव की प्रवृत्ति के कारण इंसान कभी अपने लिए किए सही निर्णय लेने में असमर्थ, अनिर्णय की स्थिति में मजबूर महसूस करता है। एक उलझन सुलझी तो वहीं दस उलझनें और पैदा हो गई एक संयम लेने का भाव मन में जगा तो उनकी पूर्ति के रूप में और अनेक कर्तव्य,कार्य का बोध व्यक्ति को अनेक प्रकार से इस असार संसार में भटकाए रखता है। नोट गिनते वक्त इंसान थकता नहीं, मन आदि सब योगों की पूर्ण स्थिरता रहती है लेकिन धर्म जप-तप के कार्यों में प्रभु भक्ति-माला-जाप करने में वैसी स्थिरता नहीं दिखाता या रख पाता है। मह विषय कषाय निद्रा और विकया इन पांच प्रकार के प्रमादों का त्याग करने पर ही साधक अपने मन-इन्द्रियों पर संयम रखते हुए उन पर विजय प्राप्त करते हुए धर्म की सम्यक रूपेण सही आराधना कर सकता है। साध्वीश्री स्नेहप्रभाजीने श्रीमद् उत्तराध्ययन के तेइसवें' केशी-गौतमीय' अध्ययन पर सारपूर्ण प्रेरक शिक्षाप्रद विवेचना प्रस्तुत करते हुए कहा कि इसमें 23 वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ की परम्परा के चतुर्च पट्टधर केशी कुमार भ्रमण और 24 वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के प्रथम गणधर, प्रधान शिष्य, चार ज्ञान 14 पूर्वी के ज्ञाता इन्द्रभूति गौतम के मध्य हुए प्रश्नोत्तर रूप तात्विक शिक्षाप्रद संवाद के साथ समाधान प्रस्तुत किया गया है। प्रथम तीर्थंकर के समय के मानवों-साधकों का स्वभाव सरल एवं जड़, मध्य बाईस तीर्थंकरों के समय प्राज्ञ एवं ऋजु सरल स्वभाव वाले तथा अन्तिम तीर्थंकर महावीर के शासन में इंसान का स्वभाव- प्रकृति और जड़ हो गई। संघमंत्री सुरेश धोका ने कार्यक्रम का संचालन किया।

प्रवीण बाफना बने जीतो केकेजी जोन के अध्यक्ष एवं दिलीप जैन बने महामंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) अपेक्स के निदेशक प्रवीण बाफना को वर्ष 2024-26 के कार्यकाल हेतु जीतो केकेजी जोन का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, साथ ही दिलीप जैन के कार्यकाल को दो वर्ष बढ़ाते हुए उन्हें पुनः महामंत्री नियुक्त किया गया। अपनी नियुक्ति पर प्रवीण बाफना ने कहा कि जीतो के प्राथमिक उद्धेश्यों समाज की शिक्षा, सेवा एवं आर्थिक सुदृढ़ता के क्षेत्र में सार्थक कार्य करने का सुअवसर मिला है, सकारात्मक बदलाव के साथ तथा समर्पण की भावना से जोन को नई ऊंचाइयो पर ले जाने को प्रतिबद्ध रहेंगे।

अपनी पुनः नियुक्ति पर महामंत्री दिलीप जैन ने कहा कि हमारे पास साथ मिलकर बदलाव लाने एवं जोन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की शक्ति है, एकजुटता एवं सकारात्मक सोच से बदलाव की बयार जरूर मिलेगी। साथ ही उन्होंने कहा कि हमे कुछ उल्लेखनीय कार्य करने का संकल्प लेना होगा। केकेजी जोन के नवनियुक्त मीडिया प्रभारी सिद्धार्थ बोहरा ने बताया कि संतोष पोरवाल को जोन उपाध्यक्ष, ओमप्रकाश जैन को कोषाध्यक्ष, विनोद बागरेचा को सचिव, महावीर पारेख को बीजापुर-शिमोगा, इंद्र जैन को होसपेट, चंद्रप्रकाश कटारिया को मैसूर, अजीत ओसवाल को दावणगेरे, भरत पटवारी को हुबली-गदग चैप्टर का संयोजक, पिंकी जैन को महिला विंग संयोजक व भावेश नेतानी को युवा विंग संयोजक नियुक्त किया गया।

जीतो केकेजी जोन के अन्य संयोजकों में कविता जैन को माइनॉरिटी, महावीर भूरट को चेंबर ऑफ कॉमर्स, मुकेश सुराणा को जेपीएफ, मनीष जैन को रोजगार, नितिन कटारिया को सीएफई, राजेश मेहता को मेट्रिमोनी, सिद्धार्थ बोहरा को मीडिया, सुशील तलेसरा को जे-पॉइंट, तुषार बाफना को जेबीएन, विकास गुलेच्छा को जेआईआईएफ, विक्रम जैन को अंतर्राष्ट्रीय एवं विमलेश भंडारी को स्पोर्ट्स का संयोजक नियुक्त किया गया।

राजस्थान संघ ट्रस्ट की बैठक में नए ट्रस्टियों की हुई घोषणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय राजस्थान संघ ट्रस्ट कर्नाटक के कार्यकारिणी सदस्यों की बैठक स्थानीय होटल में रखी गयी। ट्रस्ट के अध्यक्ष कैलाश संखलेचा ने सभी उपस्थित साथियों का स्वागत किया। मंत्री कमल पुनमिया ने आगमी कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। कोषाध्यक्ष अमित मेहता ने लेखा-जोखा पेश किया। बैठक में मोक्ष रथ व मोक्ष वाहिनी गाड़ी रखने के लिए ट्रस्ट की जगह खरीदने का निर्णय लिया गया तथा चर्चा हुई। आगमी 31 दिसम्बर को हल्दी गोठ आयोजित करने का तय किया गया तथा राजस्थान संघ के नए ट्रस्टी बनाने का निर्णय लिया गया। इस मौके पर कैलाश संखलेचा, कमल पुनमिया, अशोक गजानन, मनोज बाफना, अमित मेहता, जिनेश मेहता, रमेश दक, रूपचंद कुमट, महावीर मेहता, भोपाल सोनवाडिया, अरविंद खिंवेसरा, संतोष बागरेचा, संजय पोकरणा, प्रवीण पोरवाल, उगम खांटेड, महावीर हुंडिया, महेंद्र दांतेवाडिया ने ट्रस्टी बनने की स्वीकृति प्रदान की। ट्रस्ट के ट्रस्टी अनिल संखलेचा, सुरेश भंडारी एवं रतनीबाई मेहता ने नए ट्रस्टियों के प्रति आभार जताया। धन्यवाद ज्ञापन महावीर मेहता ने दिया। बैठक में नए ट्रस्टियों सहित रमेश भंडारी, ओम लुणावत, रामलाल गन्ना, अमित छल्लानी, मधु तातेड़ आदि उपस्थित रहे।

आदर्श कॉलेज में अनेक प्रतियोगिताओं में विभिन्न कॉलेजों ने भाग लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के चामराजपेट स्थित एसआरएन आदर्श कॉलेज चामराजपेट में वाणिज्य स्नातकोतर विभाग की तरफ से अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें गायन, समूह नृत्य, मेकअप, स्टैंड अप कॉमेडी, फैशन शो, नाटक, यक्षगाना कन्नड़, हिंदी, अंग्रेजी के भाषा दक्षता संबंधी कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में शहर के अनेक महाविद्यालयों ने अपनी सक्रिय भूमिका अदा की । वाणिज्य स्नातकोत्तर विभाग के प्रो. किरण व प्रो. देवी ने इस संयोजन किया। कॉलेज प्राचार्य डॉ एस प्रशांत ने सभी विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। आदर्श ग्रुप समूह के अध्यक्ष पदमराज मेहत, सचिव जितेंद्र मरड़िया ने सभी को शुभकामनाएं दी।

एआई हम पर कब्जा नहीं करने जा रहा : मेटा के शीर्ष अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मेटा के उपाध्यक्ष और मुख्य एआई वैज्ञानिक यान लेकुन ने बुधवार को कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) हम पर कब्जा नहीं करेगी, यह केवल मानव बुद्धिमत्ता को बढ़ाएगी। यहां सोशल मीडिया मंच उपलब्ध कराने वाली दिग्गज कंपनी मेटा का भारत में पहला 'बिल्ड विद एआई समिट' आयोजित किया गया। इसमें मानव जाति के भविष्य को आकार देने में एआई की परिवर्तनकारी भूमिका पर चर्चा की गई। लेकुन ने अपने मुख्य भाषण में कहा, ''एआई सहायक अंततः हमसे अधिक बुद्धिमान होंगे, लेकिन हमें इससे डरना नहीं चाहिए। हमें इससे सशक्त महसूस करना चाहिए। यह कुछ ऐसा है जैसे हर कोई अपने लिए काम करने वाले बुद्धिमान लोगों के एक स्टाफ' के साथ घूमता है। इससे बेहतर कुछ नहीं है कि ऐसे लोगों के साथ काम करें जो आप से अधिक बुद्धिमान हैं, है ना?'' उनके अनुसार इस वजह से हर कोई बुद्धिमान होने जा रहा है।

उन्होंने आगे कहा, ''यह सिर्फ तकनीकी समुदाय या शिक्षा जगत में हमारे जैसे लोगों के लिए नहीं है। यह हर किसी के लिए होने जा रहा है। भारत में हर कोई यहां तक कि ग्रामीण इलाकों में भी अपने एआई सहायकों से अपनी भाषा में या स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर सवाल पूछ सकता है। और यह एक बहुत ही अलग भविष्य है जो संभव होगा।'' लेकुन ने कहा कि एआई प्रौद्योगिकी में महारत हासिल करने की दौड़ में बेंगलूरु भी पीछे नहीं है और तेजी से प्रगति कर रहा है।

उन्होंने कहा, ''भारत में बहुत प्रतिभा है। हम देखते हैं कि भारत से बहुत से लोग एआई में प्रमुख योगदान, तकनीकी और वैज्ञानिक योगदान दे रहे हैं।'' समिट में इंफोसिस के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणि ने भारत के लिए एआई के संदर्भ पर चर्चा की।

जेएलआर ने बेंगलूरु में 'ओपन इनोवेशन हब' खोला

बेंगलूरु/नई दिल्ली।जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) बेंगलूरु में 'ओपन इनोवेशन हब' खोला है। स्टार्टअप के साथ मिलकर काम करने की उसकी पहल के तहत इसे खोला गया है। जेएलआर ने बुधवार को बयान में कहा, इस पहल का मकसद अगली पीढ़ी के उत्पादों व सेवाओं का विकास करना है जो कंपनी के भविष्य के ग्राहक अनुभवों को समझने में मदद करेगी।

टाटा मोटर्स के स्वामित्व वाले प्रमुख ब्राण्ड ने बेंगलूरु में 'ओपन इनोवेशन हब' खोला है। ब्रिटेन, अमेरिका, इजराइल और ब्राजील में कंपनी की पहल की सफलता के बाद इसे देश में 'हब' खोला गया।

मानव सेवा — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के माहेश्वरी महिला संगठन ने दीपावली के अवसर पर श्रीरामपुरम स्थित नीड बेस इंडिया फ्री बेसिक्स गर्ल्स होम आश्रम में निवासित 84 लड़कियों के साथ दीपक जलाकर दीपावली उत्सव मनाया और साथ ही उन्हें एक महीने की खाद्य सामग्री, फल, बिस्कुट, मिठाई, पेंसिल बॉक्स प्रदान किया गया। इस मानवसेवी कार्य में संगठन की अध्यक्ष श्वेता बियाणी, सचिव निर्मला काँकाणी, कान्ता काबरा, विजयलक्ष्मी सारड़ा, सुनीता लाहोटी, बिमला चांडक से सेवा दी।

निरीक्षण

बेंगलूरु शहर में हो रही बारिश के कारण हेब्बाल विधानसभा क्षेत्र के राधाकृष्ण वार्ड नंबर 18 के पेबल अपार्टमेंट के पास और डॉलर्स कॉलोनी सहित आसपास के इलाकों में रेलवे अंडरपास के नीचे पानी जमा हो गया है। यहां बाढ़ जैसी स्थिति बनी हुई थी, हेब्बाल क्षेत्र के विधायक और शहरी विकास और नगर नियोजन मंत्रीबीएस सुरेश बैराती ने क्षेत्र का दौरा किया और संबंधित अधिकारियों को जमा पानी हटाने के निर्देश दिए। इस मौके पर बीबीएमपी, बेंगलूरु जल बोर्ड, बीईएससीओएम के अधिकारी और स्थानीय लोग एक ही समय पर उपस्थित थे।

गुरु गणेश जन्मोत्सव के लिए संतश्री वीरेन्द्रमुनि को दिया आमंत्रण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। गुरु गणेश सेवा समिति कर्नाटक द्वारा 17 नवंबर को महावीर धर्मशाला में गुरु गणेश जन्मोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन में शामिल होने के लिए समिति के पदाधिकारियों ने मंजुनाथनगर संघ में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री वीरेंद्रमुनिजी के दर्शन कर उन्हें जन्मोत्सव कार्यक्रम में शामिल होने के लिए निवेदन किया। समिति के चेयरमैन गौतमचन्द धारीवाल, अध्यक्ष किरणचन्द बोहरा, महामंत्री उगमराज चोपड़ा, कोषाध्यक्ष मनोहरलाल बाफना, कार्यकारिणी सदस्य अनिल पोकरणा आदि ने संतश्री को कार्यक्रम की जानकारी देते हुए निवेदन किया। मंजूनाथनगर के अध्यक्ष उत्तमचन्द आच्छा आदि पदाधिकारियों ने समिति को धन्यवाद दिया।

आशीर्वाद समारोह

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बुधवार को कुरुक्षेत्र में मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित संत आशीर्वाद समारोह के दौरान प्रार्थना करते हुए।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com